website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 22 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 02 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

नए साल पर महंगाई की मार, कमर्शियल LPG सिलेंडर 111 रुपये महंगा

नई दिल्ली। नए साल 2026 की शुरुआत के साथ ही महंगाई ने आम लोगों और कारोबारियों को बड़ा झटका दिया है। 1 जनवरी 2026 से ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में 111 रुपये तक की बढ़ोतरी कर दी है। यह नई दरें दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई समेत देश के सभी बड़े शहरों में लागू हो गई हैं। हालांकि, राहत की बात यह है कि 14 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दामों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई कीमतों के मुताबिक, दिल्ली में 19 किलो का कमर्शियल सिलेंडर अब 1580.50 रुपये की जगह 1691.50 रुपये में मिलेगा। कोलकाता में इसकी कीमत 1684 रुपये से बढ़कर 1795 रुपये हो गई है। मुंबई में यह 1531.50 रुपये से बढ़कर 1642.50 रुपये और चेन्नई में 1739.50 रुपये से बढ़कर 1849.50 रुपये हो गया है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों और छोटे कारोबारियों पर पड़ने की आशंका है। गौरतलब है कि दिसंबर और नवंबर 2025 में कमर्शियल सिलेंडर के दामों में हल्की कटौती की गई थी। वहीं घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतें अप्रैल 2025 से स्थिर बनी हुई हैं। फिलहाल घरेलू सिलेंडर दिल्ली में 853, मुंबई में 852, कोलकाता में 879 और चेन्नई में 868 रुपये में मिल रहा है। कमर्शियल गैस महंगी होने से आने वाले दिनों में खाने-पीने और सेवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं।

वैंकूवर एयरपोर्ट पर एयर इंडिया का पायलट नशे में पकड़ा गया, उड़ान से पहले हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के वैंकूवर एयरपोर्ट पर एयर इंडिया के एक पायलट को उड़ान से पहले शराब पीने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। यह घटना 23 दिसंबर 2025 की बताई जा रही है, जब पायलट को वैंकूवर से दिल्ली (वियना होते हुए) जाने वाली फ्लाइट ऑपरेट करनी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ड्यूटी फ्री स्टोर के एक कर्मचारी ने पायलट को शराब पीते हुए देखा और उसके मुंह से शराब की गंध भी महसूस की। कर्मचारी ने तुरंत इसकी सूचना कनाडाई अधिकारियों को दी। इसके बाद एयरपोर्ट अधिकारियों ने उड़ान से पहले पायलट की फिटनेस को लेकर आपत्ति जताई। जांच के दौरान पायलट के व्यवहार पर संदेह हुआ, जिसके बाद उसे फ्लाइट ड्यूटी से हटाकर पूछताछ के लिए अलग कर लिया गया। सीसीटीवी फुटेज के जरिए यह पुष्टि की गई कि संबंधित व्यक्ति उसी फ्लाइट का पायलट था। मामले में एयर इंडिया ने सख्त रुख अपनाया है। पायलट को बाद में दिल्ली लाया गया, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। इस घटना की जानकारी नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) को दे दी गई है, जो पूरे मामले की जांच कर रहा है। जांच पूरी होने तक पायलट को उड़ान ड्यूटी से निलंबित कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, पायलट ने अनजाने में शराब पीने की बात कही है, हालांकि वास्तविक स्थिति क्या थी, इसका खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा। एयर इंडिया ने कनाडाई अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग करने की बात कही है।

नए साल की शुरुआत बारिश–ठंड के साथ, यूपी-दिल्ली से बिहार तक बदला मौसम

नई दिल्ली। नए साल 2026 के पहले ही दिन देश के कई हिस्सों में मौसम का मिज़ाज बदला हुआ नजर आ रहा है। पहाड़ी इलाकों में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लेह के ऊंचे क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी हुई है, जबकि इसका प्रभाव मैदानी इलाकों में भी दिखने लगा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार 1 जनवरी को पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों में बारिश की संभावना है। दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं। राजधानी दिल्ली में भीषण ठंड और घने कोहरे का दौर जारी है। न्यूनतम तापमान करीब 6 डिग्री और अधिकतम 22 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। दिल्ली में हल्की बारिश की संभावना जताई गई है, जिससे प्रदूषण से कुछ राहत मिल सकती है। फिलहाल दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स बेहद खराब श्रेणी में बना हुआ है। उत्तर प्रदेश में शीतलहर और कोहरे का प्रकोप जारी है। कई जिलों में हल्की बारिश और बूंदाबांदी के आसार हैं। लगातार कोहरे के कारण रेल और हवाई सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। बिहार में भी शीतलहर और घने कोहरे से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। कई जिलों में कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया गया है और तापमान में और गिरावट की संभावना है। नए साल की शुरुआत ठंड और बारिश के साथ लोगों की मुश्किलें बढ़ा रही है।

ईरान में जबरदस्त उबाल, सड़कों पर 'खामेनेई मुर्दाबाद' के नारे

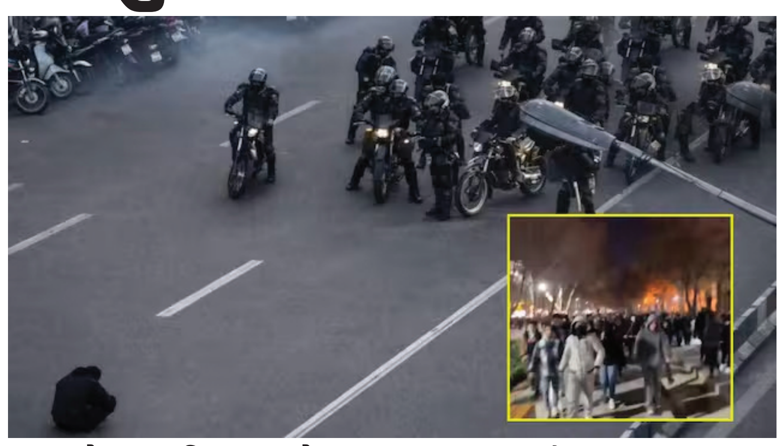

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में बीते कुछ दिनों से हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। सरकार के एक फैसले के विरोध में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हो रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि कई इलाकों में रोज़मर्रा का कामकाज पूरी तरह ठप पड़ गया है और आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। AFP के मुताबिक, इन प्रदर्शनों के दौरान ईरानी सुरक्षाबलों के कुछ जवानों की मौत भी हुई है। हालात बिगड़ते देख प्रशासन ने अचानक सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया है। इसके चलते देश के 31 में से 21 प्रांतों में बाजार, विश्वविद्यालय और सरकारी दफ्तर बंद कर दिए गए हैं। विरोध की जड़ में हाल के दिनों में पैदा हुए गंभीर आर्थिक और राजनीतिक संकट बताए जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में तेहरान, शिराज, इस्फहान, करमानशाह और फासा जैसे शहरों में हिंसक झड़पों के दृश्य दिख रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने 'तानाशाह मुर्दाबाद' और 'खामेनेई मुर्दाबाद' जैसे नारे लगाए हैं।

क्यों शुरू हुए प्रदर्शन?

रविवार को सबसे पहले तेहरान के बाजारों में अचानक विरोध देखने को मिला। ईरानी मुद्रा रियाल में भारी गिरावट के चलते महंगाई तेजी से बढ़ी, जिसका सीधा असर आम लोगों की जिंदगी पर पड़ा। रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी चीजों के दाम बढ़ने पर दुकानदार सड़कों पर उतर आए। रियाल की कमजोरी के कारण आयात महंगा हो गया है, जिससे महंगाई बेकाबू हो चुकी है। देश में महंगाई दर 50 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। इस विरोध की लहर का असर विश्वविद्यालयों तक पहुंचा, जहां छात्रों ने बेरोजगारी, जल संकट और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी जताई।

2022 के बाद दिखा सबसे बड़ा आंदोलन

ईरान में 2022 के बाद यह सबसे व्यापक विरोध प्रदर्शन माना जा रहा है। उस समय पुलिस हिरासत में महसा अमीनी की मौत के बाद देशभर में भारी प्रदर्शन हुए थे। महसा अमीनी एक युवा महिला थीं, जिन पर मोरल पुलिस ने हिजाब सही तरीके से न पहनने का आरोप लगाया था, जिसके बाद उनकी मौत हो गई थी।

प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प

मौजूदा प्रदर्शनों के दौरान कई जगह सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव हुआ है। फार्स प्रांत के फासा शहर में भीड़ ने एक सरकारी परिसर का गेट तोड़ दिया, जिसे गवर्नर कार्यालय बताया जा रहा है। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि तीन पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। व्यापारियों का कहना है कि वे आर्थिक नुकसान सहने को तैयार हैं, लेकिन देश की बदहाल आर्थिक स्थिति के खिलाफ आवाज उठाना जरूरी है, ताकि भविष्य सुरक्षित किया जा सके। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने जनता की नाराजगी को जायज बताते हुए कहा है कि उनकी मांगों पर जल्द ध्यान दिया जाएगा।

ईरानी रियाल ने डॉलर के मुकाबले गंवाई आधी कीमत

प्रॉसिक्यूटर जनरल मोहम्मद मोवाहेदी आजाद ने चेतावनी दी है कि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हालांकि उन्होंने शांतिपूर्ण विरोध को सही बताया है। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में ईरानी मुद्रा रियाल अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपनी लगभग आधी कीमत खो चुकी है। इसके चलते महंगाई 50 प्रतिशत तक पहुंच गई है। बढ़ते विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए सरकार ने कई इलाकों में सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया है। रियाल में गिरावट के साथ महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है।

पश्चिम बंगाल जरूरी पर कांग्रेस के लिए क्यों है केरल वाली मजबूरी, क्या अकेले लड़ेगी चुनाव?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस अब पश्चिम बंगाल में अपनी सियासी रणनीति पर दोबारा विचार कर रही है। पार्टी संकेत दे रही है कि वह 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में वाम मोर्चा के साथ गठबंधन छोड़कर अकेले मैदान में उतर सकती है। इसकी सबसे बड़ी वजह केरल की सियासत मानी जा रही है, जहां कांग्रेस और वाम मोर्चा एक-दूसरे के सीधे प्रतिद्वंद्वी हैं। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और वाम मोर्चा लंबे समय से गठबंधन में चुनाव लड़ते रहे हैं। साल 2016 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 44 और वाम मोर्चा को 26 सीटें मिली थीं। लेकिन 2021 के चुनाव में यह गठबंधन पूरी तरह विफल रहा और दोनों पार्टियों को एक भी सीट नहीं मिली। वहीं भाजपा ने 38 फीसदी वोट शेयर के साथ 77 सीटों पर कब्जा कर लिया। इस गठबंधन का असर कांग्रेस को केरल में भी झेलना पड़ा। केरल में कांग्रेस की अगुआई वाला यूडीएफ और वाम मोर्चा का एलडीएफ आमने-सामने हैं। चूंकि दोनों राज्यों में लगभग एक ही समय पर चुनाव होते हैं, इसलिए एक राज्य में गठबंधन और दूसरे में विरोधाभास से कांग्रेस की राजनीतिक धार कमजोर हुई। इसके बावजूद वाम मोर्चे ने 2021 में 40 साल का रिकॉर्ड तोड़ते हुए केरल में लगातार दूसरी बार सरकार बना ली। इसी अनुभव के चलते कांग्रेस अब पश्चिम बंगाल में लेफ्ट से दूरी बनाना चाहती है, ताकि केरल में उसका हमला कमजोर न पड़े। बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार का कहना है कि पार्टी संगठन पहले से मजबूत हुआ है और अकेले चुनाव लड़कर कुछ सीटें जीती जा सकती हैं। उन्होंने शीर्ष नेतृत्व से भी अकेले चुनाव लड़ने की मांग की है। गौरतलब है कि 2021 में कांग्रेस ने वाम मोर्चा और इंडियन सेकुलर फ्रंट के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था, लेकिन नतीजा शून्य रहा। ऐसे में अब पार्टी तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के धार्मिक ध्रुवीकरण के बीच आम जनता से जुड़े मुद्दों पर चुनाव लड़ने की रणनीति बना रही है। केरल कांग्रेस ने भी केंद्रीय नेतृत्व से बंगाल में लेफ्ट से गठबंधन न करने का आग्रह किया है और विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई है।

'भारत का अपमान, सरकार को इसका...'

भारत-पाक सीजफायर पर चीन के दावे को लेकर ओवैसी ने PM मोदी से क्या कहा?

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर में चीन की मध्यस्थता के दावे पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। हैदराबाद से सांसद ओवैसी ने कहा कि चीन के इस बयान पर भारत चुप नहीं रह सकता। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की कि सरकार आधिकारिक तौर पर इस दावे का सख्त खंडन करे। ओवैसी का कहना है कि ऐसे दावे भारत की संप्रभुता और सम्मान को ठेस पहुंचाते हैं।

चीन के दावों पर ओवैसी ने उठाए सवाल

ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई पोस्ट के जरिए मोदी सरकार से तीखे सवाल पूछे। उन्होंने कहा कि पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने सीजफायर को लेकर बयान दिया और अब चीन के विदेश मंत्री ने भी इसी तरह का दावा किया है। ओवैसी ने कहा कि यह भारत का अपमान है और सरकार को इसका कड़ा जवाब देना चाहिए। उन्होंने साफ किया कि चीन के ऐसे रिश्तों में सुधार भारत के आत्मसम्मान और संप्रभुता की कीमत पर नहीं हो सकता।

केंद्र सरकार ने किया खंडन

भारत सरकार ने चीन के विदेश मंत्री के भारत-पाक संघर्ष में मध्यस्थता के दावे को खारिज कर दिया है। बुधवार, 31 दिसंबर 2025 को केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया कि भारत किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं करता। इससे पहले सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऐसे ही दावों को भी सिरे से नकार चुकी है।

क्या कहा था चीनी विदेश मंत्री ने

चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने एक संबोधन में दावा किया था कि चीन ने निष्पक्ष और न्यायसंगत रुख अपनाते हुए भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम कराने में भूमिका निभाई। उन्होंने कहा था कि विवादित मुद्दों के समाधान के लिए चीन के प्रयासों से दोनों देशों के बीच सीजफायर संभव हुआ। हालांकि भारत ने इन दावों को पूरी तरह गलत बताया है।

इंदौर में 6 महीने के मासूम की दर्दनाक मौत

10 साल की दुआओं के बाद मिला बेटा, दूषित पानी ने छीन ली जिंदगी

नई दिल्ली। इंदौर के नई बस्ती इलाके के मराठी मोहल्ला में दूषित पेयजल ने एक परिवार की खुशियां हमेशा के लिए उजाड़ दीं। यहां गंदा पानी पीने से सिर्फ 6 महीने के एक मासूम बच्चे की मौत हो गई। बच्चे की मां साधना साहू का रो-रोकर बुरा हाल है। वह बार-बार यही कह रही हैं कि 10 साल की मिन्नतों और दुआओं के बाद उन्हें बेटा मिला था, लेकिन दूषित पानी ने उनकी दुनिया छीन ली। साधना साहू के मुताबिक, कुछ दिन पहले बच्चे को अचानक उल्टी और दस्त शुरू हो गए। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद डॉक्टर बच्चे की जान नहीं बचा सके। मां का आरोप है कि उनके इलाके में लंबे समय से गंदा, बदबूदार और पीने लायक नहीं रहने वाला पानी सप्लाई किया जा रहा था, जिसकी शिकायतें पहले भी की गई थीं। साधना ने बताया कि ब्रेस्ट फीडिंग से बच्चे को पूरा दूध नहीं मिल पा रहा था, इसलिए बाहर से लाए गए गाढ़े दूध में नल का पानी मिलाकर बच्चे को पिलाती थीं। उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि यही दूषित पानी उनके बेटे की मौत की वजह बन जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी 10 साल की बेटी को भी पेट दर्द की शिकायत है, जिससे परिवार और ज्यादा दहशत में है। रोते हुए साधना ने कहा कि उनका बच्चा तो चला गया, लेकिन अगर हालात नहीं सुधरे तो न जाने कितने और मासूम ऐसे ही अपनी जान गंवा देंगे। उनके दर्द को देखकर आसपास के लोग भी भावुक हो गए। दूषित पानी के कारण इंदौर में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक शहर के 27 अस्पतालों में इस समय 149 मरीजों का इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तुरंत साफ पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

'तनाव घटेगा या नहीं, यह कहना अभी मुश्किल...'

जयशंकर की ढाका यात्रा पर बांग्लादेश सरकार का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में हाल के दिनों में भारत के खिलाफ दिए जा रहे बयानों से दोनों देशों के रिश्तों में खटास देखने को मिली है। इसी बीच भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर बुधवार (31 दिसंबर 2025) को पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शामिल होने ढाका पहुंचे। इस दौरान उनकी मुलाकात खालिदा जिया के बेटे और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान से भी हुई। मौजूदा तनावपूर्ण माहौल में जयशंकर की यह यात्रा कूटनीतिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

'जयशंकर की यात्रा को द्विपक्षीय रिश्तों से जोड़कर न देखा जाए'

इस बीच बांग्लादेश सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा कि भारतीय विदेश मंत्री की ढाका यात्रा को भारत-बांग्लादेश संबंधों या किसी राजनीतिक संदर्भ से नहीं जोड़ना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस दौरे से दोनों देशों के बीच तनाव कम होगा या नहीं, इसका जवाब भविष्य में ही मिल सकेगा। तौहीद हुसैन ने कहा कि जयशंकर समेत दक्षिण एशिया के कई देशों के प्रतिनिधि खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे।

'एस. जयशंकर का बांग्लादेश आना सकारात्मक संकेत'

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, मोहम्मद तौहीद ने कहा कि भारतीय विदेश मंत्री का यह दौरा भले ही संक्षिप्त रहा हो, लेकिन वे पूरे कार्यक्रम में शामिल हुए और उसके बाद लौट गए। उन्होंने इसे एक सकारात्मक संकेत बताया और कहा कि इस यात्रा से ज्यादा अर्थ निकालना सही नहीं होगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या जयशंकर के साथ कोई अलग से बैठक हुई, तो उन्होंने कहा कि आमने-सामने बातचीत की कोई संभावना ही नहीं थी।

'पड़ोसी देशों ने भी खालिदा जिया का था सम्मान'

उन्होंने आगे बताया कि कार्यक्रम में कई अन्य विदेशी मेहमान मौजूद थे, जिनमें पाकिस्तान के स्पीकर भी शामिल थे और जयशंकर ने उनसे हाथ मिलाया। उन्होंने कहा कि ये सामान्य शिष्टाचार की बातें हैं और इन मुलाकातों में किसी तरह की राजनीतिक चर्चा नहीं हुई। विदेश मामलों के सलाहकार ने दिवंगत बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी छवि न सिर्फ बांग्लादेश में, बल्कि पड़ोसी देशों में भी अच्छी मानी जाती थी। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय नेताओं का उनके निधन पर शोक जताने के लिए पहुंचना स्वाभाविक था। गौरतलब है कि बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले संसदीय चुनावों में तारिक रहमान को प्रधानमंत्री पद का मजबूत दावेदार माना जा रहा है। मुलाकात के दौरान जयशंकर ने भरोसा जताया कि खालिदा जिया के विचार और मूल्य दोनों देशों के बीच साझेदारी को आगे बढ़ाने में मार्गदर्शक साबित होंगे। जयशंकर ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पत्र सौंपा और भारत सरकार व जनता की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की।

शिकागो, लॉस एंजिल्स और पोर्टलैंड से नेशनल गार्ड हटाने का ट्रंप का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शिकागो, लॉस एंजिल्स और पोर्टलैंड से नेशनल गार्ड को हटाने की घोषणा की है। यह फैसला ऐसे समय पर आया है, जब कुछ दिन पहले अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ फैसला सुनाया था। राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा कि इन शहरों में नेशनल गार्ड की मौजूदगी से अपराध में काफी कमी आई थी। उनके अनुसार, अगर संघीय सरकार ने दखल न दिया होता तो ये शहर "खत्म हो चुके होते"। हालांकि ट्रंप ने यह भी चेतावनी दी कि यदि भविष्य में इन इलाकों में फिर से अपराध बढ़ा, तो सरकार और ज्यादा सख्त तरीके से वापसी करेगी। उन्होंने इन शहरों और राज्यों के डेमोक्रेट मेयरों और गवर्नरों को "बेहद अक्षम" करार दिया। ट्रंप का दावा है कि जिन राज्यों में डेमोक्रेट्स की सरकार है, वहां अपराध तेजी से बढ़ रहा है, इसलिए नेशनल गार्ड की तैनाती जरूरी थी। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, यह घोषणा उस फैसले के कुछ ही दिन बाद आई है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से ट्रंप प्रशासन की मांग को खारिज कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि शुरुआती चरण में सरकार यह स्पष्ट नहीं कर पाई कि इलिनोइस में सेना को कानून लागू करने का अधिकार किस आधार पर दिया गया है। इस विवाद की शुरुआत 4 अक्टूबर से मानी जाती है, जब ट्रंप ने इलिनोइस नेशनल गार्ड के 300 जवानों को शिकागो और आसपास के इलाकों में संघीय सेवा में बुलाया था। इसके बाद टेक्सास नेशनल गार्ड के कुछ जवानों को भी वहां भेजा गया। 9 अक्टूबर को जिला अदालत ने इस पर अस्थायी रोक लगाई, जिसे बाद में अपीलीय अदालत ने भी बरकरार रखा। इसी फैसले के खिलाफ ट्रंप प्रशासन सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

नववर्ष पर मानवता और सामाजिक उत्तरदायित्व का संकल्प

नववर्ष की हार्दिक मंगलमय शुभकामनाओं के साथ यह अवसर हमें आत्ममंथन और नवसंकल्प का संदेश देता है। नया साल केवल कैलेंडर का बदलना नहीं, बल्कि सोच, व्यवहार और कर्म की दिशा को सकारात्मक रूप से मोड़ने का क्षण होता है। आइए, इस नववर्ष पर हम यह संकल्प लें कि राष्ट्र और समाज निर्माण की प्रक्रिया में अपनी भूमिका ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ निभाएंगे। ऊर्जा, उत्साह और उल्लास के साथ चतुर्दिक खुशहाली, समृद्धि और समरसता का वातावरण रचेंगे। जन-जन के मन में शुभभावनाएं प्रस्फुटित हों, ऐसी कामना करेंगे और निराशाओं के भंवर से बाहर निकलकर भविष्य के नए सपने गढ़ने और उन्हें साकार करने का साहस जुटाएंगे। संकल्प ही वह शक्ति है जो जीवन को उत्सवधर्मी और अपराजेय बनाती है। यही संकल्प हमें नई ऊंचाइयों को छूने की प्रेरणा देता है और असफलताओं को पीछे छोड़ आगे बढ़ने की ऊर्जा प्रदान करता है। जब हम वैमनस्यता, कटुता, दुर्भावना और हीनता को त्यागकर सहजता, उदारता और नवीनता को अपनाते हैं, तब समाज में सकारात्मक परिवर्तन की राह खुलती है। चैतन्यता से भरपूर संकल्प न केवल व्यक्ति के जीवन को समुन्नत बनाता है, बल्कि समाज और देश की भाषा, संस्कृति, विविधता, सर्वधर्म समभाव और लोकमान्यताओं को संवारने और सहेजने का आत्मबल भी देता है। यह नया वर्ष उत्सवधर्मी भारतीय जनमानस को नया विचार, नई दिशा और नई ऊंचाई दे, ऐसी आशा रखना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसके लिए समवेत प्रयास भी जरूरी हैं। यह समय संकल्पों को केवल सोच तक सीमित रखने का नहीं, बल्कि उन्हें मूर्त रूप देने का है। इन्हीं संकल्पों के माध्यम से समाज में व्याप्त सामाजिक और आर्थिक गैर-बराबरी को कम किया जा सकता है तथा धार्मिक और सांस्कृतिक टकराव की भावना को मिटाया जा सकता है। इसी भाव से भारत राष्ट्र के सनातन मूल्यों की रक्षा और लोककल्याण के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर किया जा सकता है। संकल्पों को साकार करने के लिए बड़े कदमों की नहीं, बल्कि छोटे-छोटे प्रयासों की जरूरत होती है। हमारे आसपास सकारात्मक विचारों का प्रसार और संवेदनशील व्यवहार ही परिवर्तन की नींव रखता है। समाज में आज भी ऐसे असंख्य लोग हैं जो अभावग्रस्त हैं और बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। भीषण ठंड के इस समय में अनेक लोगों के पास गरम कपड़े नहीं हैं और वे ठिठुरते हुए जीवन जीने को मजबूर हैं। हर वर्ष ठंड और भूख से अनेक लोग अपनी जान गंवा देते हैं। यदि हम संकल्प लें कि जरूरतमंदों तक कपड़े और भोजन पहुंचाएंगे, तो यह नववर्ष उनके लिए सुरक्षा और सम्मान का उपहार बन सकता है। सेवा परमोधर्म है। इसी सेवा भाव के साथ हम गरीब और वंचित बच्चों की भी मदद कर सकते हैं, ताकि उनकी शिक्षा और भविष्य सुरक्षित हो सके। उन्हें गरम कपड़े, जूते-मोजे और पाठ्य-पुस्तकें देकर हम उनकी चुनौतियों को कुछ हद तक कम कर सकते हैं। आज कई छोटे-बड़े स्वयंसेवी संगठन इस पुनीत कार्य में लगे हैं।

2026 में भी भारत बना रहेगा सबसे तेज़ बढ़ती अर्थव्यवस्था, जापान को पीछे छोड़ वैश्विक आर्थिक ताकत के रूप में उभरा

-तेज़ जीडीपी ग्रोथ, कम महंगाई और घटती बेरोज़गारी से भारतीय अर्थव्यवस्था का सुनहरा दौर जारी

वर्ष 2025 भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुआ है। यह वह साल रहा जब भारत ने न सिर्फ़ वैश्विक आर्थिक चुनौतियों का डटकर सामना किया, बल्कि तेज़ विकास दर, नियंत्रित महंगाई और घटती बेरोज़गारी के साथ दुनिया को यह संदेश दिया कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब केवल संभावनाओं का देश नहीं, बल्कि परिणाम देने वाली ताक़त बन चुकी है। हाल ही में भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। अब भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन और जर्मनी हैं। आर्थिक विशेषज्ञों और वैश्विक रेटिंग एजेंसियों का मानना है कि अगर यही रफ्तार बनी रही, तो अगले ढाई से तीन साल में भारत जर्मनी को भी पीछे छोड़ देगा और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। यही नहीं, 2026 में भी भारत के जी-20 देशों में सबसे तेज़ बढ़ती अर्थव्यवस्था बने रहने की पूरी संभावना जताई जा रही है।

2025: भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक वर्ष

साल 2025 को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि इस वर्ष लगभग हर मोर्चे पर सकारात्मक नतीजे देखने को मिले। दूसरी तिमाही में भारत की जीडीपी ग्रोथ बढ़कर 8.2 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो यह साफ़ दर्शाती है कि देश का उत्पादन, खपत और निवेश—तीनों मज़बूत स्थिति में हैं। इस दौरान भारत ने जिस तरह महंगाई पर काबू पाया, वह दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक मिसाल है। नवंबर 2025 में खुदरा महंगाई दर घटकर मात्र 0.71 प्रतिशत पर आ गई। यह आंकड़ा बताता है कि सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक की नीतियाँ ज़मीन पर असर दिखा रही हैं।

घटती बेरोज़गारी: विकास का सामाजिक असर

तेज़ आर्थिक विकास का असली मतलब तभी निकलता है, जब उसका असर आम आदमी की ज़िंदगी पर दिखे। 2025 में बेरोज़गारी दर में आई गिरावट इसी बात का सबूत है। नवंबर 2025 में बेरोज़गारी दर घटकर 4.7 प्रतिशत रह गई, जो अप्रैल 2025 के बाद का सबसे निचला स्तर है। यह गिरावट बताती है कि मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस सेक्टर, कंस्ट्रक्शन और स्टार्टअप इकोसिस्टम में रोज़गार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। सरकार की स्किल डेवलपमेंट योजनाओं और निजी निवेश में बढ़ोतरी ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई है।

जीएसटी राहत और घरेलू मांग में उछाल

भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती के पीछे घरेलू मांग एक बड़ा स्तंभ रही है। जीएसटी में दी गई छूट और टैक्स सिस्टम को सरल बनाने से लोगों के हाथ में ज़्यादा पैसा आया। जब आम नागरिक के पास खर्च करने की क्षमता बढ़ती है, तो उसका सीधा असर बाज़ार पर पड़ता है। कंज़्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑटोमोबाइल, रियल एस्टेट और एफएमसीजी सेक्टर में मांग बढ़ी, जिससे उत्पादन और निवेश को नई गति मिली। यही कारण है कि 2025 में भारत की आर्थिक गतिविधियाँ तेज़ रहीं और ग्रोथ का पहिया बिना रुके घूमता रहा।

'गोल्डिलॉक्स पीरियड': जब सब कुछ संतुलन में हो

अर्थशास्त्र में जब ग्रोथ रेट ऊंची हो, महंगाई बेहद कम हो और रोज़गार के अवसर बढ़ रहे हों, तो उस स्थिति को 'गोल्डिलॉक्स पीरियड' कहा जाता है। भारत इस समय उसी दौर में प्रवेश कर चुका है। एक ओर तेज़ विकास दर, दूसरी ओर नियंत्रित महंगाई और तीसरी ओर मज़बूत मौद्रिक व वित्तीय नीतियाँ—इन तीनों का संतुलन भारत को वैश्विक निवेशकों के लिए बेहद आकर्षक बना रहा है। यही वजह है कि विदेशी निवेश लगातार भारत की ओर बढ़ रहा है।

वैश्विक रेटिंग एजेंसियों का भरोसा

दुनिया की तमाम बड़ी रेटिंग एजेंसियों और वित्तीय संस्थाओं ने भारत की आर्थिक संभावनाओं को लेकर सकारात्मक अनुमान लगाए हैं। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के अनुसार, 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत और 2026-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। एसएंडपी का कहना है कि यह वृद्धि घरेलू मांग, टैक्स कटौती और ब्याज दरों में संभावित कमी से प्रेरित होगी। मूडीज ने भी भारत के लिए उत्साहजनक तस्वीर पेश की है। एजेंसी के मुताबिक, 2026 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.5 प्रतिशत रह सकती है। यह वृद्धि घरेलू खपत, निर्यात बाज़ारों में विविधीकरण और अनुकूल मौद्रिक नीति के कारण संभव होगी। मूडीज का साफ़ कहना है कि भारत 2026 में भी जी-20 देशों में सबसे तेज़ बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

फिच, एडीबी और विश्व बैंक का आकलन

अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के अनुमान भी भारत की मज़बूत स्थिति की पुष्टि करते हैं। फिच रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत की ग्रोथ 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB) ने भारत के लिए अपना अनुमान बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है। एडीबी के अनुसार, मजबूत मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस सेक्टर और बढ़ता निवेश इसकी मुख्य वजह है। विश्व बैंक का अनुमान है कि 2026 में भारत की जीडीपी वृद्धि 6.5 प्रतिशत हो सकती है। इन सभी अनुमानों में एक बात समान है—भारत की विकास कहानी मज़बूत बुनियाद पर खड़ी है।

4.18 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी

आज भारत की जीडीपी का कुल मूल्यांकन 4.18 ट्रिलियन डॉलर, यानी लगभग 350 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। जापान को पीछे छोड़ना सिर्फ़ एक सांकेतिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि भारत अब वैश्विक आर्थिक संतुलन को प्रभावित करने वाली शक्ति बन चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगले 2.5 से 3 साल में भारत जर्मनी को भी पीछे छोड़ सकता है। अगर मौजूदा रफ्तार बनी रही, तो 2030 तक भारत 7.3 ट्रिलियन डॉलर (करीब 655 लाख करोड़ रुपये) की अर्थव्यवस्था के साथ दुनिया में तीसरे स्थान पर होगा।

आरबीआई का भरोसा और नीतिगत मजबूती

भारतीय रिज़र्व बैंक ने भी ग्रोथ ट्रेंड को देखते हुए पूरे साल के लिए अपने अनुमान को 6.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि कई अंतरराष्ट्रीय आर्थिक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मज़बूती से आगे बढ़ रही है। उनका कहना है कि भारत की बैंकिंग प्रणाली मजबूत है, एनपीए नियंत्रण में हैं और क्रेडिट ग्रोथ संतुलित तरीके से आगे बढ़ रही है। यही वजह है कि आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था तेज़ विकास के लिए पूरी तरह तैयार है।

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की स्थिरता

आज की दुनिया आर्थिक अनिश्चितताओं से घिरी हुई है—भूराजनीतिक तनाव, ऊर्जा संकट, वैश्विक मंदी की आशंका और सप्लाई चेन में रुकावटें। इसके बावजूद भारत ने जिस तरह स्थिरता बनाए रखी है, वह उसकी नीतिगत समझदारी और आर्थिक लचीलापन दिखाता है। भारत ने न सिर्फ़ अपने घरेलू बाज़ार को मजबूत किया, बल्कि निर्यात के नए रास्ते तलाशे और वैश्विक सप्लाई चेन में खुद को एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में स्थापित किया।

2047 का लक्ष्य: उच्च मध्यम आय वाला देश

सरकार का स्पष्ट कहना है कि भारत 2047 तक एक उच्च मध्यम आय वाला देश बनने के लक्ष्य की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है। इसके लिए इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल इकॉनमी और मैन्युफैक्चरिंग पर लगातार निवेश किया जा रहा है। महंगाई नियंत्रण में है, बेरोज़गारी धीरे-धीरे कम हो रही है और निर्यात में सुधार जारी है। ये सभी संकेत बताते हैं कि भारत की विकास यात्रा केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि ज़मीनी स्तर पर भी बदलाव ला रही है। कुल मिलाकर, वर्ष 2025 ने भारत को एक नई पहचान दी है और 2026 के लिए उम्मीदों की मज़बूत नींव रखी है। तेज़ विकास दर, नियंत्रित महंगाई, घटती बेरोज़गारी और वैश्विक संस्थाओं का भरोसा—ये सभी संकेत साफ़ करते हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में भी दुनिया की सबसे तेज़ बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल रहेगी। अगर नीतिगत स्थिरता, सुधारों की गति और निवेश का प्रवाह इसी तरह बना रहा।

नववर्ष शिक्षा कौशल आत्मनिर्माण के संकल्प से विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और समग्र व्यक्तित्व विकास की नई शुरुआत यात्रा

-नया साल छात्रों को आत्मचिंतन लक्ष्य कौशल समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच अपनाने की प्रेरणा

अंग्रेज़ी कैलेंडर के अनुसार 1 जनवरी से नववर्ष की शुरुआत होती है। भले ही यह एक पश्चिमी कैलेंडर की तिथि हो, लेकिन आज यह पूरी दुनिया में नए आरंभ, नए सपनों और नए संकल्पों का प्रतीक बन चुकी है। विद्यार्थियों के जीवन में नववर्ष का महत्व और भी अधिक है, क्योंकि यही वह समय होता है जब उनका भविष्य धीरे-धीरे आकार लेने लगता है। बीता हुआ वर्ष अपने साथ अनुभवों की एक पोटली छोड़ जाता है—कुछ अनुभव सफलता के होते हैं, जो आत्मविश्वास को मज़बूत करते हैं, तो कुछ असफलताओं के, जो जीवन की अहम सीख बन जाते हैं। ऐसे में नववर्ष विद्यार्थियों के लिए आत्मचिंतन, आत्मनिर्माण और आत्मविकास का सुनहरा अवसर लेकर आता है। यदि नववर्ष की शुरुआत शिक्षा, कौशल और सकारात्मक सोच के संतुलन के साथ की जाए, तो यह केवल कैलेंडर का नया पन्ना नहीं रहता, बल्कि उज्ज्वल भविष्य की मज़बूत नींव बन जाता है।

आत्मचिंतन : भीतर की ओर देखने की कला

नववर्ष का सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण पक्ष आत्मचिंतन है। आज के दौर में विद्यार्थी पाठ्यक्रम पूरा करने, परीक्षाओं की तैयारी और अंकों की दौड़ में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि वे स्वयं से संवाद करना ही भूल जाते हैं। नववर्ष उन्हें यह अवसर देता है कि वे कुछ पल ठहरकर अपने बीते वर्ष पर शांत मन से विचार करें। उन्होंने पूरे वर्ष में क्या सीखा? कहाँ वे सफल रहे? कहाँ उनसे चूक हुई? किन विषयों में उनकी रुचि बढ़ी और किन क्षेत्रों में उन्हें अधिक मेहनत की ज़रूरत है? इन सवालों पर ईमानदारी से सोचने से आत्मविकास की राह खुलती है। आत्मचिंतन से विद्यार्थी अपनी कमजोरियों को स्वीकार करना और अपनी क्षमताओं को पहचानना सीखते हैं। यही स्वीकार्यता उन्हें बेहतर इंसान और बेहतर विद्यार्थी बनने की दिशा में आगे बढ़ाती है।

शिक्षा : केवल किताबों तक सीमित नहीं

नववर्ष विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर देता है कि शिक्षा केवल किताबों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं है। शिक्षा एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें सोचने, समझने, सवाल करने और समाधान तलाशने की क्षमता विकसित होती है। सच्ची शिक्षा वही है जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर, विवेकशील और संवेदनशील बनाती है। आज भी बहुत से विद्यार्थी शिक्षा को केवल अच्छे अंक लाने या डिग्री हासिल करने का माध्यम मानते हैं। जबकि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य जीवन को समझना, समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी को पहचानना और अपने भीतर छिपी प्रतिभाओं को निखारना है। नववर्ष इस सोच को बदलने का सही समय है।

लक्ष्य निर्धारण : दिशा देने वाला दीपक

विद्यार्थी जीवन में लक्ष्य का होना बेहद ज़रूरी है। बिना लक्ष्य के जीवन ऐसे जहाज़ की तरह हो जाता है, जिसे कोई दिशा नहीं मिली हो। नववर्ष को लक्ष्य निर्धारण का सबसे उपयुक्त समय माना जाता है, क्योंकि यह नई शुरुआत का प्रतीक है। इस समय यदि विद्यार्थी अपने लक्ष्य स्पष्ट और यथार्थवादी ढंग से तय करें, तो वे भटकाव से बच सकते हैं। लक्ष्य केवल अच्छे अंक लाने या किसी प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश पाने तक सीमित नहीं होने चाहिए। इनमें ज्ञान अर्जन, कौशल विकास, अच्छे चरित्र का निर्माण और स्वस्थ जीवनशैली भी शामिल होनी चाहिए। लक्ष्य छोटे-छोटे चरणों में तय किए जाएँ, ताकि उन्हें हासिल करना आसान लगे। जब लक्ष्य स्पष्ट होते हैं, तो प्रयास अपने आप केंद्रित हो जाते हैं और परिणाम भी संतोषजनक प्राप्त होते हैं।

कौशल विकास : बदलती दुनिया की मांग

आज का युग केवल डिग्री हासिल करने का नहीं, बल्कि कौशल विकसित करने का है। नववर्ष विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर देता है कि बदलती दुनिया में वही व्यक्ति आगे बढ़ेगा, जो नए कौशल सीखने के लिए हमेशा तैयार रहेगा। संचार कौशल, समस्या समाधान की क्षमता, रचनात्मक सोच, टीम वर्क, नेतृत्व क्षमता और डिजिटल साक्षरता जैसे कौशल आज बेहद आवश्यक हो चुके हैं। ये कौशल न केवल रोज़गार के अवसर बढ़ाते हैं, बल्कि जीवन की वास्तविक चुनौतियों का सामना करने में भी मदद करते हैं। नववर्ष विद्यार्थियों को प्रेरित करता है कि वे अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार नए-नए कौशल सीखें। चाहे वह कंप्यूटर से जुड़ा कोई कोर्स हो, भाषा सीखना हो, लेखन, कला, संगीत या खेल—हर कौशल आत्मनिर्भरता की ओर एक कदम है।

समय प्रबंधन : सफलता की कुंजी

विद्यार्थियों के जीवन में समय सबसे बहुमूल्य संसाधन होता है, लेकिन वे अक्सर इसका महत्व नहीं समझ पाते। सोशल मीडिया, मोबाइल और अनियोजित दिनचर्या के कारण समय कब हाथ से निकल जाता है, पता ही नहीं चलता। नववर्ष समय प्रबंधन की अच्छी आदतें विकसित करने का श्रेष्ठ अवसर है। जब विद्यार्थी अपनी दिनचर्या की सही योजना बनाते हैं और पढ़ाई, विश्राम तथा मनोरंजन के बीच संतुलन बनाए रखते हैं, तो वे मानसिक तनाव से बचे रहते हैं। समय का सही उपयोग न केवल शैक्षणिक सफलता दिलाता है, बल्कि आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। नववर्ष यह संकल्प लेने का समय है कि समय को अपना दोस्त बनाया जाए, दुश्मन नहीं।

मानसिक और भावनात्मक विकास

शिक्षा और कौशल के साथ-साथ मानसिक और भावनात्मक विकास भी उतना ही ज़रूरी है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में विद्यार्थी अक्सर तनाव, चिंता और अवसाद का शिकार हो जाते हैं। नववर्ष उन्हें यह समझने का अवसर देता है कि मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही अहम है जितना शारीरिक स्वास्थ्य। ध्यान, योग, प्रार्थना, सकारात्मक सोच और परिवार व दोस्तों के साथ समय बिताना मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है। जब मन शांत होता है, तभी पढ़ाई और जीवन के अन्य कार्यों में मन लगता है।नववर्ष केवल सफलता और उपलब्धियों का संकल्प लेने का ।

2026 में पाकिस्तान की आबादी विस्फोटक मोड़ पर: पांचवां सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बनने की चुनौती और विकास का अवसर

-यूएनएफपीए की चेतावनी, जनसंख्या बोझ नहीं बल्कि अधिकार-आधारित नीतियों से विकास की ताकत बन सकती है

पाकिस्तान वर्ष 2026 में दुनिया का पांचवां सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। अनुमान है कि तब उसकी कुल आबादी 22.5 करोड़ (225 मिलियन) से अधिक हो जाएगी। यह आंकड़ा अपने आप में सिर्फ एक संख्या नहीं है, बल्कि यह पाकिस्तान के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक भविष्य की दिशा तय करने वाला संकेत भी है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) ने इस संदर्भ में पाकिस्तान के लिए जनसंख्या प्रबंधन की रणनीतिक और अधिकार-आधारित नीति अपनाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया है। यूएनएफपीए का मानना है कि पाकिस्तान में तेज़ी से बढ़ती आबादी, ऊँची प्रजनन दर, लगातार बनी हुई लैंगिक असमानता और जलवायु परिवर्तन से बढ़ती संवेदनशीलता—ये सभी चुनौतियाँ एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। इन हालात को देखते हुए अब जनसंख्या को "बोझ" मानने की बजाय उसे सतत और समावेशी विकास का रणनीतिक चालक समझने की ज़रूरत है।

पाकिस्तान की बढ़ती आबादी: स्थिति और पृष्ठभूमि

पाकिस्तान पहले ही दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देशों में शामिल है। पिछले कुछ दशकों में वहाँ की जनसंख्या वृद्धि दर लगातार ऊँची बनी रही है। बेहतर चिकित्सा सुविधाओं, शिशु मृत्यु दर में कमी और जीवन प्रत्याशा बढ़ने के बावजूद परिवार नियोजन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तक व्यापक पहुँच न होने से आबादी में तेज़ इज़ाफ़ा हुआ है। 2026 तक पाकिस्तान की आबादी का पाँचवें स्थान पर पहुँच जाना इस बात का संकेत है कि देश को शिक्षा, रोज़गार, स्वास्थ्य, आवास और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व दबाव का सामना करना पड़ेगा। अगर इन क्षेत्रों में समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो बढ़ती आबादी विकास की रफ्तार को धीमा कर सकती है।

ऊँची प्रजनन दर: सबसे बड़ी चुनौती

यूएनएफपीए के अनुसार, पाकिस्तान में प्रजनन दर अब भी चिंताजनक स्तर पर है। औसतन एक महिला के चार या उससे अधिक बच्चे होना आम बात है। इसके पीछे कई सामाजिक और सांस्कृतिक कारण हैं— परिवार नियोजन को लेकर जागरूकता की कमी, महिलाओं की शिक्षा का निम्न स्तर, जल्दी विवाह की परंपरा, पुरुष-प्रधान सोच, आधुनिक गर्भनिरोधक साधनों तक सीमित पहुँच, जब तक प्रजनन दर को संतुलित नहीं किया जाता, तब तक जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण पाना मुश्किल होगा।

लैंगिक असमानता और महिलाओं की भूमिका

पाकिस्तान में लैंगिक असमानता जनसंख्या वृद्धि की एक अहम वजह है। महिलाओं को अक्सर शिक्षा, रोज़गार और स्वास्थ्य संबंधी फैसलों में बराबरी का अधिकार नहीं मिलता। कई क्षेत्रों में महिलाएँ आज भी अपने शरीर और भविष्य से जुड़े फैसले खुद नहीं ले पातीं। यूएनएफपीए इस बात पर ज़ोर देता है कि— लड़कियों की शिक्षा में निवेश, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना, प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तक सुरक्षित और सम्मानजनक पहुँच, विवाह और मातृत्व को लेकर महिलाओं की पसंद का सम्मान, ये सभी कदम न सिर्फ जनसंख्या संतुलन के लिए ज़रूरी हैं, बल्कि समग्र विकास के लिए भी अनिवार्य हैं।

जलवायु परिवर्तन और बढ़ती संवेदनशीलता

पाकिस्तान उन देशों में शामिल है जो जलवायु परिवर्तन से सबसे ज़्यादा प्रभावित हो रहे हैं। बाढ़, सूखा, हीटवेव और पानी की कमी जैसी समस्याएँ पहले से ही गंभीर रूप ले चुकी हैं। जब इन समस्याओं के साथ तेज़ी से बढ़ती आबादी जुड़ जाती है, तो हालात और भी चुनौतीपूर्ण हो जाते हैं। बढ़ती आबादी— जल संसाधनों पर दबाव बढ़ाती है, कृषि भूमि को सीमित करती है, शहरी झुग्गियों और अव्यवस्थित बस्तियों को बढ़ावा देती है, स्वास्थ्य और स्वच्छता संकट को गहराती है, इसलिए यूएनएफपीए मानता है कि जनसंख्या नीति को जलवायु रणनीति से जोड़ना अब समय की मांग है।

जनसंख्या: बोझ नहीं, अवसर

यूएनएफपीए का एक अहम संदेश यह है कि जनसंख्या को बोझ के रूप में देखना एक सीमित सोच है। अगर सही नीतियाँ अपनाई जाएँ, तो युवा और बड़ी आबादी किसी भी देश के लिए ताक़त बन सकती है। पाकिस्तान की आबादी का एक बड़ा हिस्सा युवा है। अगर— उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, हुनर और कौशल विकास पर ध्यान दिया जाए, रोज़गार के अवसर पैदा किए जाएँ, तो यही युवा आबादी देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकती है। इसे ही जनसांख्यिकीय लाभांश (डेमोग्राफिक डिविडेंड) कहा जाता है।

अधिकार-आधारित दृष्टिकोण की ज़रूरत

यूएनएफपीए बार-बार इस बात पर ज़ोर देता है कि जनसंख्या प्रबंधन का तरीका अधिकार-आधारित होना चाहिए। इसका मतलब यह है कि— किसी पर परिवार नियोजन थोपना नहीं, जबरदस्ती या दबाव की नीति नहीं, हर व्यक्ति को सूचित और स्वतंत्र निर्णय का अधिकार, परिवार नियोजन सेवाएँ स्वैच्छिक, सुरक्षित और सम्मानजनक हों। खासकर महिलाओं और किशोरियों के अधिकारों की रक्षा की जाए।

राष्ट्रीय योजना और वित्तीय ढांचे में बदलाव

यूएनएफपीए ने 2026 को ध्यान में रखते हुए पाकिस्तान सरकार से यह भी कहा है कि वह अपनी राष्ट्रीय योजना और वित्तीय प्रावधानों में जनसंख्या को सही तरीके से प्रतिबिंबित करे। विशेष रूप से राष्ट्रीय वित्त आयोग (एनएफसी) फॉर्मूला में बदलाव की ज़रूरत बताई गई है। अभी तक संसाधनों का बंटवारा ज़्यादातर क्षेत्रफल या राजनीतिक आधार पर होता रहा है। लेकिन अब— जनसंख्या आकार, जनसंख्या वृद्धि दर, सामाजिक-आर्थिक ज़रूरतें, इन सबको ध्यान में रखते हुए संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण ज़रूरी है।

प्रांतों और स्थानीय सरकारों की भूमिका

जनसंख्या प्रबंधन सिर्फ संघीय सरकार की ज़िम्मेदारी नहीं हो सकती। प्रांतों और स्थानीय सरकारों को भी— स्वास्थ्य केंद्रों को मज़बूत करना, परिवार नियोजन सेवाओं की पहुँच बढ़ाना।

नव वर्ष के पहले दिन सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 में उमड़ा जनसैलाब, एसएचजी दीदियों ने की रिकॉर्ड बिक्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नव वर्ष के पहले दिन गुरुवार को सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 में उत्साह, उमंग और उल्लास देखते ही बनता था। साल की पहली सुबह से ही मेला आगंतुकों से गुलज़ार रहा और हर ओर रौनक का माहौल दिखाई दिया। रंग-बिरंगे स्टॉल्स, हस्तशिल्प की खुशबू, पारंपरिक संगीत और लोगों की चहल-पहल ने मेले को एक जीवंत उत्सव में बदल दिया। भरतपुर के जय शिव शंकर एसएचजी ने अब तक सबसे ज्यादा बिक्री की है। एसएचजी दीदी नीलम ने बताया कि ग्राहक उनके जूट प्रोडक्टस को बहुत पसंद कर रहे हैं। बाड़मेर का दिनुवानी एसएचजी बिक्री के मामले में दूसरे स्थान पर रहा और इनके कशीदाकारी के उत्पाद सभी को लुभा रहे हैँ। बाड़मेर का ही जोगमाया एसएचजी भी रिकॉर्ड बिक्री कर रहा हैं, उनके बनाए अजरक प्रिंट कपड़े बेहद लोकप्रिय हो रहे हैँ। समूह सदस्य गंगादेवी ने इसके लिए राजीविका के इस मंच का आभार जताया। फ़ूड स्टाल्स में जयपुर के राधास्वामी एसएचजी ने सबसे ज्यादा सेल की है, उनकी पाव भाजी लोगों को बहुत पसंद आ रही है। सवाई माधोपुर का सरस्वती एसएचजी के व्यंजनों का स्वाद भी लोगों को बहुत लुभा रहा है और बिक्री में ये दूसरे स्थान पर हैं। इन समूहों से जुड़ी महिलाओं के चेहरों पर सजी मुस्कान इस बात का प्रमाण है कि यह मेला उनके लिए केवल एक बाजार नहीं बल्कि सपनों को साकार करने का मंच है। एसएचजी दीदियों ने बताया कि उनके द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को ग्राहकों से भरपूर सराहना मिल रही है। कई स्टॉल्स पर तो ग्राहक दोबारा लौटकर खरीदारी कर रहे हैं, जिससे उनके उत्पादों को न केवल बेहतर बिक्री मिल रही है बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी मिल रही है। एक एसएचजी दीदी ने भावुक होकर बताया कि राजीविका के सहयोग से आज वह

आत्मनिर्भर बन पाई हैं। सरस मेले ने उन्हें आजीविका का एक सशक्त माध्यम दिया है, जिसने उनकी कला को मंच प्रदान किया और उनके आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेले में भाग ले रहीं आंध्र प्रदेश से आई एक एसएचजी दीदी ने बताया कि वह पहली बार इतने बड़े राष्ट्रीय मंच पर अपने हाथ से बने उत्पाद लेकर आई हैं। उन्होंने कहा कि "यहाँ लोगों की सराहना और भरोसा देखकर आत्मविश्वास कई गुना बढ़ गया है। पहले हम अपने गांव तक ही सीमित थे, लेकिन अब हमारे उत्पाद पूरे देश तक पहुँच रहे हैं।" वहीं हरियाणा से आई एक अन्य एसएचजी सदस्य ने बताया कि उनके हैंडलूम उत्पादों की मांग इतनी अधिक है कि कई बार स्टॉक खत्म होने की स्थिति बन गई। उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि "सरस मेला हमारे लिए सिर्फ कमाई का जरिया नहीं बल्कि सीखने और आगे बढ़ने का अवसर भी है। राजस्थान की एक एसएचजी दीदी, जो पारंपरिक परिधान लेकर आई हैं, ने बताया कि कई ग्राहकों ने उनके काम की बारीकी और डिज़ाइन की जमकर तारीफ की। कुछ ग्राहकों ने तो भविष्य में सीधे ऑर्डर देने की भी बात की, जिससे उन्हें लंबे समय तक आजीविका का भरोसा मिला है। मेले में पहुंचे ग्राहक भी कम उत्साहित नहीं दिखे और उनके अनुभव भी उतने ही सकारात्मक रहे। जयपुर की गृहिणी कविता ने बताया कि उन्हें यहां एक ही जगह देश के अलग-अलग राज्यों के उत्पाद देखने और खरीदने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि यहां की चीज़ों में अपनापन और मेहनत साफ झलकती है, इसलिए शॉपिंग करते हुए अच्छा लगता है। अजमेर से आए कॉलेज छात्र राहुल ने बताया कि वह अपने दोस्तों के साथ मेले में आया और यहां की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उन्हें खासा प्रभावित किया। "लाइव परफॉर्मेंस और अलग-अलग राज्यों के लोकनृत्य देखकर ऐसा लगा जैसे पूरा भारत एक मंच पर उतर आया हो"। वहीं जयपुर घूमने आई एक विदेशी पर्यटक सारा ने बताया कि उन्हें भारतीय हस्तशिल्प और पारंपरिक वस्त्र बेहद आकर्षक लगे। उन्होंने कहा, "यह मेला भारत की विविधता को बहुत खूबसूरती से दर्शाता है और यहां की हस्तनिर्मित वस्तुएं यादगार हैं।"

सुरक्षित यात्रा के मध्यनजर रोडवेज की बसों की छतों से हटे लगेज कैरियर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की अध्यक्षा श्रीमती शुभ्रा सिंह ने बताया कि निगम बसों के यात्रियों को बेहतर एवं सुरक्षित यात्रा सुविधा उपलब्ध करवाये जाने के मध्यनजर निगम द्वारा मेरी बस मेरी जिम्मेदारी अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत बसों की यांत्रिक व भौतिक स्थिति यथा यात्री सीट, इलेक्ट्रिक कार्य, अग्निशमन यंत्र, आपातकाल द्वार इत्यादि को दुरस्त करवाया गया है। साथ ही निगम द्वारा सभी बसों की छतों से लगेज हटवा दिये गये

है। इस सम्बन्ध में निगम द्वारा नियमित रूप से सघन अभियान चला कर संभाग स्तर के केन्द्रीय बस स्टेण्डों यथा जयपुर, जोधपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा, बीकानेर, सीकर, एवं उदयपुर पर इसकी जांच करवाई जा रही है। तदनुसार संबंधित मुख्य प्रबन्धक को निर्देशित किया गया है।

गांधी चौक में नए साल की शुरुआत दूध वितरण के साथ की गई

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के गांधी चौक में नए साल की शुरुआत दूध वितरण के साथ की गई वहीं जरूरतमंदों को कंबल भी वितरित किए गए कार्यक्रम भाजपा नेता उपेन यादव के सानिध्य में रखा गया, कार्यक्रम में ताराचंद चौधरी भामाशाह धर्मेंद्र सोनी, अशोक गुर्जर विमल केशुका, सर्वेश शुक्ला, उम्मेद यादव, सुरेश कुमावत, श्रवण सेन,गोपाल सैनी, हरीश मीणा भाजपा नेता इकराम खान पडियार आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीनाथजी मंदिर में की पूजा-अर्चना

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को डीग स्थित श्रीनाथ जी मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की प्रगति, सुख-समृद्धि एवं खुशहाली के लिए कामना की। शर्मा ने सपरिवार श्रीनाथ जी महाराज का पंचामृत अभिषेक किया। उन्होंने दूध, दही, घी, शहद और शर्करा से श्रीनाथजी का अभिषेक किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुए अनुष्ठान में श्रीनाथ जी के मुकुट मुखारबिंद का विशेष

श्रृंगार और पूजन किया। इससे पहले उन्होंने जतिपुरा पर संत-साधुओं को भोजन प्रसादी भी ग्रहण करवाई।

मुख्यमंत्री ने पक्षी-घर का किया उद्घाटन

इस दौरान मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में नवनिर्मित पक्षी-घर का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति और मूक प्राणियों का संरक्षण मानव का परम धर्म है। यह पक्षी-घर क्षेत्र के पक्षियों के लिए दाना-पानी और सुरक्षित आश्रय का केंद्र बनेगा। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म सहित जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

नए साल में महंगाई की मार, कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 111 रुपए महंगा

-राजस्थान में 19 किलो का कॉमर्शियल सिलेंडर अब 1719.50 रुपए में मिलेगा, घरेलू गैस के दाम स्थिर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। साल 2026 की शुरुआत महंगाई के साथ हुई है। पेट्रोलियम कंपनियों ने नए साल के पहले दिन कॉमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। हालांकि घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इससे पहले साल 2025 में जनवरी से दिसंबर के बीच कंपनियों ने कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम करीब 200 रुपए से ज्यादा घटाए थे। राजस्थान एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष दीपक गहलोत ने बताया कि कंपनियों की ओर से

जारी नई रेट लिस्ट के अनुसार राजस्थान में 19 किलोग्राम वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर अब 111 रुपए महंगा हो गया है। बढ़ोतरी के बाद यह सिलेंडर 1608.50 रुपए के बजाय 1719.50 रुपए में मिलेगा। गौरतलब है कि दिसंबर माह में कंपनियों ने कॉमर्शियल सिलेंडर के दामों में 10 रुपए प्रति सिलेंडर की कटौती की थी। वहीं घरेलू उपयोग में आने वाले गैस सिलेंडर की कीमतों में किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है। फिलहाल घरेलू एलपीजी सिलेंडर बाजार में 856.50 रुपए में ही उपलब्ध रहेगा। इसके अलावा राज्य सरकार की ओर से बीपीएल और उज्ज्वला योजना के तहत कनेक्शनधारियों को रियायती दर पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है।

ग़रीबो के मसीहा भामाशाह मोहन कुड़ी ने सादगी से जन्मदिन मनाया

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। दोनों हाथों से दान देने वाले, गरीबो के मसीहा, दयालु, विद्यालयों में बढ़चढ़ कर दान करके स्वागत द्वार व चबूतरा बनाने वाले, ग़रीब लड़कियों की शादी में बढ़चढ़ कर दान देने वाले, विद्यालयों में कम्प्यूटर व सभी सामान देने वाले भामाशाह मोहन कुड़ी का जन्मदिन 1 जनवरी (नववर्ष) को आता हैं इस दिन कुड़ी साहब सुबह उठते ही अपने घर के बड़े बुजुर्गों की दुआए लेते हैं इधर कुड़ी की टीम गायों को रंजका, कबूतरों को ज्वार, बंदरो को केले व चींटियों के चीनी मिला हुआ आटा आदि का इंतेजाम करते हैं और पुण्य का कार्यक्रम शाम तक चलता हैं। कुड़ी इस दिन अपने घर पर आकर्षक व मनमोहक विद्त सजावट करवाते हैं व अपने मित्रों को बुलाकर केक काटते हैं और ख़ुशी का इज़हार करते हैं! व्हाट्सअप इंस्टाग्राम फेसबुक

फोन आदि पर पूरे दिन कुड़ी के लिए गाने बज रहे थे! "बार बार ये दिन आए, बार बार ये दिल गाए, तू जिये हजारों साल, साल के दिन हो 50 हजार, हैप्पी बर्थडे टू यु मोहन कुड़ी । मज़दूर नेता अब्दुल अज़ीज़ लोहानी, पत्रकार जाफ़र लोहानी, पत्रकार मोहम्मद फरमान पठान, खबर नवीश मोहसिन खान ने फेसबुक पर कुड़ी की पोस्ट को लगाकर जन्मदिन की मुबारकबाद दी! पूरे दिन व्हाट्सअप, इंस्टाग्राम, फेसबुक व फोन आदि के जरिए गणमान्य लोगों ने कुड़ी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

भामाशाहों के सहयोग से बने पशु चिकित्सालय भवन का भव्य लोकार्पण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पाली जिले के बर कस्बे में नवनिर्मित राजकीय पशु चिकित्सालय भवन का लोकार्पण समारोह गुरुवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के केबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत एवं विशेष अतिथि पशुपालन, डेयरी एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत उपस्थित रहे। मंत्रियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर पशु चिकित्सालय भवन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि राजस्थान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार पशुपालन है। प्रदेश के लाखों परिवार पशुपालन से जुड़े हैं और उनकी आजीविका सीधे तौर पर पशुधन पर निर्भर है। ऐसे में पशुओं के इलाज के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त पशु चिकित्सालयों की आवश्यकता बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि बर में इस नए भवन के शुरू होने से आसपास के कई गांवों के पशुपालकों को राहत मिलेगी और अब उन्हें पशुओं के इलाज के लिए दूर-दराज के कस्बों में भटकना नहीं पड़ेगा। मंत्री गहलोत ने कहा कि बर गांव के लिए भामाशाहों ने आगे बढ़कर जो योगदान दिया है, वह पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत है। भामाशाहों की उदार सोच और सामाजिक जिम्मेदारी के भाव से पशु चिकित्सालय भवन का निर्माण संभव हो पाया। यह भवन केवल एक संरचना नहीं, बल्कि बर गांव के पशुपालकों के विश्वास और सेवा का केंद्र बनेगा। भामाशाहों ने बिना किसी स्वार्थ के जनहित को प्राथमिकता देते हुए गांव की जरूरत को समझा और सहयोग किया। उनके इस योगदान से बर गांव को स्थायी सुविधा मिली है, जो वर्षों तक पशुपालकों और ग्रामीणों के काम आएगी। यह पशु चिकित्सालय केवल एक भवन नहीं, बल्कि पशुपालकों के भरोसे और सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पशुपालकों

को समय पर और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि बीमारी के कारण होने वाले नुकसान को रोका जा सके। उन्होंने भामाशाहों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि जनसहयोग से बने ऐसे भवन वर्षों तक सेवा और स्मृति का केंद्र बने रहते हैं।

प्रदेश में 536 मोबाइल वेटरनरी वाहन घर-घर जा रहा—

पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार पशुपालकों के कल्याण के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में पशु चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया गया है। राज्यभर में 536 मोबाइल वेटरनरी वाहन संचालित किए गए हैं, जो गांव-गांव जाकर पशुओं का इलाज कर रहे हैं। पशुपालक हेल्पलाइन नंबर 1962 पर कॉल कर घर बैठे पशु चिकित्सा सेवा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह सेवा विशेष रूप से आपात परिस्थितियों में पशुओं के लिए जीवनरक्षक साबित हो रही है। कुमावत ने बताया कि गोवंश संरक्षण और गोशालाओं के विकास पर भी सरकार का विशेष फोकस है। राजस्थान में 100 से अधिक गो-केयर सेंटर स्थापित किए गए हैं और 300 से ज्यादा गोशालाओं का क्रमोन्नयन किया गया है। गोशालाओं में दवाइयां पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं और दवाओं की किसी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य गोवंश संरक्षण के साथ-साथ पशुपालकों की आय बढ़ाना है।

राजस्थान पुलिस की वर्ष 2026 की प्राथमिकताएँ तय

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने वर्ष 2026 के लिए राजस्थान पुलिस की प्रमुख प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा है कि जन-सुरक्षा, अपराध नियंत्रण और जनविश्वास को केंद्र में रखते हुए पुलिस तंत्र को और अधिक प्रभावी, संवेदनशील एवं तकनीक-सक्षम बनाया जाएगा।

अपराध संबंधी प्राथमिकताएं —

डीजीपी शर्मा ने बताया कि अपराध संबंधी प्राथमिकताओं के अंतर्गत संगठित अपराध के विरुद्ध सख्त एवं निर्णायक कार्यवाही की जाएगी। महिलाओं, बच्चों एवं कमजोर वर्गों के प्रति होने वाले अपराधों की रोकथाम राजस्थान पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी, जिसमें त्वरित कार्रवाई और गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही, सड़क सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन को सुदृढ़ करते हुए दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। बढ़ते साइबर अपराधों को

देखते हुए उनकी रोकथाम और तकनीकी रूप से सक्षम अनुसंधान पर विशेष बल दिया जाएगा।

प्रशासनिक प्राथमिकताएं —

प्रशासनिक प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालते हुए डीजीपी शर्मा ने कहा कि जनसहभागिता के माध्यम से पुलिस-जन संबंधों को और मजबूत किया जाएगा, जिससे पुलिस व्यवस्था अधिक पारदर्शी और भरोसेमंद बने। पुलिस कार्यों में आधुनिक तकनीक के अधिकतम उपयोग से कार्यकुशलता बढ़ाई जाएगी। पुलिस कार्मिकों की कार्यदशा, कल्याण और दक्षता में सुधार हेतु निरंतर प्रयास किए जाएंगे। इसके साथ ही, पुलिस परिसरों में सामुदायिक सेवाओं को प्रोत्साहित कर समाज के साथ पुलिस की सहभागिता को नई दिशा दी जाएगी। डीजीपी शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि वर्ष 2026 में इन प्राथमिकताओं के प्रभावी क्रियान्वयन से राजस्थान पुलिस और अधिक जनहितकारी, सक्षम एवं उत्तरदायी बनेगी तथा राज्य में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जा सकेगा।

किशनपोल जोन में अवैध निर्माणों पर सख्त कार्रवाई, चार निर्माणाधीन भवन सीज

- अस्थाई अतिक्रमण को किया ध्वस्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर के किशनपोल जोन में बुधवार को अवैध निर्माण को सीज एवं अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई उपायुक्त किशनपोल जोन विजेंद्र सिंह के नेतृत्व एवं राजस्व अधिकारी सुनील कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुई।

कार्रवाई के संबंध में जोन उपायुक्त विजेंद्र कुमार ने बताया कि लंबे समय से क्षेत्र में अवैध निर्माणों की शिकायत मिल रही थी। ऐसे में अभियान के तहत नियमों का उल्लंघन कर किए गए अवैध निर्माणों को चिन्हित कर सख्त कदम उठाए गए। नगर निगम की टीम ने सार्वजनिक स्थलों पर किए गए अस्थायी अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ अवैध रूप से निर्मित चार भवनों को भी सीज किया।

इन भवनो को किया सीज

'शास्त्री नगर क्षेत्र में टैगोर स्कूल के पास स्थित मकान संख्या ए-15ए

में बिना अनुमति जी$2 निर्माण पाए जाने पर भवन को सीज किया गया।

'इसी प्रकार चांदपोल क्षेत्र के बगरू वालों के रास्ते पर स्थित मकान संख्या 950 में किए गए जी$3 अवैध निर्माण को भी सीज किया गया।

- चार दरवाजा स्थित जियाउद्दीन कालोनी में मकान संख्या 213 में जी$2 का अवैध निर्माण सीज किया गया।

- गोपीनाथ मार्ग पर मकान नंबर 2 में बिना अनुमति निर्माणाधीन व्यवसायिक भवन को सीज किया गया।

- मनिहारी के रास्ते में मकान संख्या 54 पर सरकारी भूमि पर लकड़ी के अस्थाई निर्माण को हटाया गया।

- गोविंद राव जी का रास्ता में मंदिर के पीछे बनी अवैध दीवार और अस्थाई अतिक्रमण को हटवाया गया।

नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ गौरव सैनी ने स्पष्ट किया कि शहर में अवैध निर्माण और अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध इसी प्रकार सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

नगर निगम ने आमजन से अपील की है कि वे भवन निर्माण से पूर्व संबंधित अनुमति अवश्य प्राप्त करें तथा सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें, जिससे शहर को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाया जा सके।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का नववर्ष स्नेह मिलन समारोह हुआ

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। नगर कांग्रेस कमेटी, मनोहरपुर द्वारा ब्लॉक अध्यक्ष नाथूलाल सैनी की अध्यक्षता एवं जयपुर जिला देहात महासचिव पंडित जितेंद्र शर्मा के मुख्य आतिथ्य में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का नववर्ष स्नेह मिलन समारोह हुआ इस दौरान संगठन को मजबूत करने तथा आने वाले नगर पालिका चुनाव के बारे में विस्तृत चर्चा की गई साथ ही अमरसर को नई पंचायत समिति बनाने के लिए विधायक मनीष यादव जी को धन्यवाद ज्ञापित किया, ब्लॉक अध्यक्ष नाथूलाल सैनी ने सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने का संदेश दिया, जयपुर जिला देहात महासचिव पंडित जितेंद्र शर्मा ने नए साल में नए जोश के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। नगर अध्यक्ष अलाउद्दीन खान आदि ने सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए अपने विचार व्यक्त किए।

31 जनवरी तक देना होगा अचल संपत्ति विवरण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार और राज्य सरकार द्वारा नियंत्रित सभी बोर्ड,निगमों, स्वायत्तशासी संस्थाओं व उपक्रमों के सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी वर्ष 2025 का अचल संपत्ति विवरण SSO पोर्टल https://sso.rajasthan.gov.in अथवा राजकाज़ 2.0 पोर्टल https://erajkaj.rajasthan.gov.in पर 1 जनवरी से 31 जनवरी तक भरना होगा। कार्मिक विभाग की शासन सचिव श्रीमती अर्चना सिंह ने बताया कि अचल संपत्ति विवरण की सूचना ऑनलाइन नहीं भरने पर संबंधित विभाग द्वारा विजिलेंस क्लीयरेंस नहीं दी जाएगी वेतन वृद्धि रोक दी जाएगी एवं पदोन्नति के संबंध में भी विभागीय कार्यवाही होगी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

रैणी में RCL-2 क्रिकेट प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण समापन

-मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने बढ़ाया खिलाड़ियों का हौसला

गोपेश शर्मा

रैणी/अलवर (रॉयल पत्रिका)। रैणी के प्रताप स्टेडियम में आयोजित RCL-2 क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन समारोह गुरुवार को उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि राजगढ़ विधायक मांगेलाल मीणा भी समारोह में शामिल हुए। आयोजकों की ओर से अतिथियों का माला और साफा पहनाकर पारंपरिक स्वागत किया गया। समापन अवसर पर मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर बैटिंग कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा का विकास करता है, जो जीवन में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक है। जनसमूह को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि रैणी–राजगढ़ क्षेत्र का उन पर विशेष एहसान है और वे सदैव जनता की सेवा के लिए उपलब्ध रहेंगे। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी जाति या धर्म का व्यक्ति हो, यदि उसे किसी भी प्रकार का कार्य हो तो वह निसंकोच उनके पास आ सकता

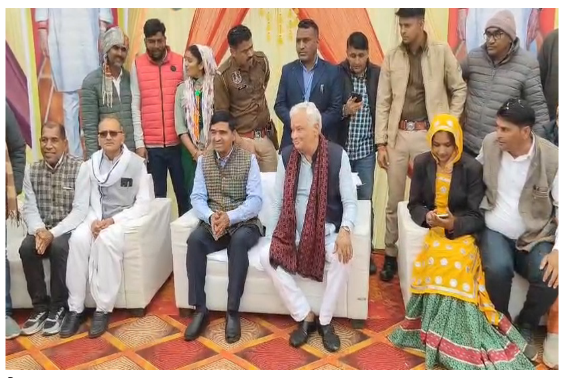

है। उनके दरवाजे आमजन के लिए हमेशा खुले रहेंगे। विधायक मांगेलाल मीणा ने आयोजन की सराहना करते हुए खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समारोह के अंत में विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। आयोजन में बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, ग्रामीणजन और युवा मौजूद रहे, जिससे कार्यक्रम का माहौल बेहद जोशीला और उत्सवपूर्ण रहा।

बहुप्रतीक्षित वाद - विवाद प्रतियोगिता 4 जनवरी 2026 को

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर "इंटेलेक्चुअल मुस्लिम्स सोसाइटी चूरू" की एक मीटिंग सोसाइटी के अध्यक्ष शौकत अली खान (रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें में 04 जनवरी 2026 को मदीना मुसाफ़िर खाना के पीछे, ग्रेविटी साइंस एकेडमी, चूरू में आयोजित होने वाली बहुप्रतीक्षित "वाद-विवाद प्रतियोगिता" के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया, और सबको अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई, मीटिंग में सोसाइटी के जनरल सेक्रेटरी डॉ. एफ एच गोरी (सीनियर फिजिशियन), वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद अयूब खान (रिटायर्ड

एडिशनल एसपी), कोषाध्यक्ष मोहम्मद आरिफ खान (प्रिंसिपल), जसवंत खान, सलीम खान दिलावरखानी, नजीर खां (रिटायर्ड प्रिंसिपल), खुर्शीद गोरी (डायरेक्टर, ग्रेविटी साइंस एकेडमी), मोहम्मद रशीद मोयल शिक्षाविद, मोहम्मद अली पठान, (संवाददाता) अयूब खान गोड़, हबीब डायर आदि प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

नीम कलां गावं में बुजर्गों को कंबल वितरित किए

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। अहसास सोशल वेलफेयर सोसाइटी, सवाई माधोपुर द्वारा सर्दियों के मौसम में राहत प्रदान करने के उद्दे श्य से नीम कलां गावं में जरूरतमंद बुजुर्गों को 25 कंबल वितरित किये गये । इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष सोहेल अनवर, विमलेश गुप्ता, इंद्रा गुप्ता, मधुसूदन गर्ग, जावेद अनवर, अनिल कुमार सक्सेना, पीयूष सिंघल, अल्ताफ नूर, शोएब तनवीर, हंसराज, सुरज्ञान, रमेश गोठिया इत्यादि उपस्थित रहे।

लक्ष्मणगढ़ में 24 साल पुरानी सड़क खड्डों में तब्दील

- छुटै भैया नेताओं की राजनीति में छह बार निरस्त हुआ टेंडर

लक्ष्मणगढ़/सीकर (रॉयल पत्रिका)। स्थानीय लोगों के अनुसार इस सड़क के पुनर्निर्माण को लेकर बीते 24 वर्षों में नगरपालिका प्रशासन द्वारा करीब छह बार टेंडर जारी किए गए, लेकिन हर बार नगर के छुटै भैया नेताओं की राजनीति के चलते टेंडर निरस्त कर दिए गए। हाल ही में 9 दिसंबर को नगरपालिका प्रशासन ने करीब 18 लाख रुपए का टेंडर जारी किया था, जिसे एक बार फिर निरस्त कर दिया गया। टेंडर निरस्त होने पर लक्ष्मणगढ़ विधायक एवं पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे भाजपा की तानाशाही और सत्ता के दुरुपयोग का उदाहरण

बताया। वहीं नगरपालिका अधिशासी अधिकारी नवनीत कुमावत ने आदेश जारी कर कहा कि नगरपालिका प्रतिपक्ष नेता ललित पुरोहित और भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष ललित पंवार की शिकायत तथा स्वायत्त शासन विभाग मंत्री के निर्देशानुसार टेंडर प्रक्रिया निरस्त की गई है। इधर वार्डवासियों का कहना है कि सड़क की बदहाली के कारण पिछले 24 साल से उन्हें रोजमर्रा की आवाजाही में परेशानी झेलनी पड़ रही है। लोगों ने जल्द सड़क निर्माण की मांग करते हुए कहा कि राजनीति के कारण आम जनता को लगातार नुकसान उठाना पड़ रहा है।

महिला अधिकारिता विभाग द्वारा कम्प्यूटर ज्ञान केन्द्रों का निरीक्षण

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार द्वारा महिला अधिकारिता विभाग के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री नारी शक्ति प्रशिक्षण एवं कौशल संवर्धन योजना के तहत जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को जिले में संचालित कम्प्यूटर ज्ञान केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। उपनिदेशक महिला अधिकारिता भागीरथ के निर्देशानुसार पर्यवेक्षक महिला अधिकारिता पिंकी मीणा द्वारा विभिन्न कम्प्यूटर ज्ञान केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। साथ ही जिले के सभी ब्लॉकों में पर्यवेक्षक एवं प्रचेताओं द्वारा केन्द्रों की जांच की गई। निरीक्षण का उद्देश्य केन्द्रों में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता, तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता एवं प्रशिक्षणार्थी महिलाओं व बालिकाओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा करना रहा। निरीक्षण के दौरान कम्प्यूटर लैब, इंटरनेट कनेक्टिविटी एवं सॉफ्टवेयर की जांच की गई तथा उपलब्ध संसाधनों पर संतोष व्यक्त किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं से संवाद कर फीडबैक लिया गया एवं केन्द्रों में उपलब्ध शिक्षण वातावरण एवं फैकल्टी की शिक्षण पद्धतियों की सराहना की गई। पर्यवेक्षक ने बताया कि योजना के अंतर्गत 16 से 40 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं एवं बालिकाओं को निःशुल्क कम्प्यूटर बेसिक, अकाउंटिंग तथा इंग्लिश स्पोकन जैसे प्रशिक्षण पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इच्छुक एवं न्यूनतम कक्षा 10वीं उत्तीर्ण महिलाएं एवं बालिकाएं आई.टी. ज्ञान केन्द्र अथवा ई-मित्र के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं।

नवोदय आर्ट्स कैंपस महवा (कला वर्ग) के छात्रों ने अलवर जिले में किया शैक्षिक भ्रमण

-ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों का दौरा, छात्रों ने प्राप्त की जानकारी

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। नवोदय आर्ट्स कैंपस महवा (कला वर्ग) के छात्रों ने अलवर जिले में एक शैक्षिक भ्रमण किया, जिसमें उन्होंने पांडुपोल, भर्तृहरि, बाला किला, नारायणी माता भानगढ़ और आभानेरी जैसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों का दौरा किया। इस भ्रमण में विद्यालय के प्रधानाचार्य उमेश कुमार शर्मा, निदेशक मुकेश कुमार सैनी, व्याख्याता विकास सर, दिनेश सर, प्रवीण सर, बृजेश सर और राकेश जी शामिल थे। छात्रों ने इन स्थलों पर जाकर इतिहास, संस्कृति और विज्ञान के बारे में जानकारी प्राप्त की।

शैक्षिक भ्रमण के उद्देश्य:
छात्रों को ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के बारे में जानकारी प्रदान करना, छात्रों में सीखने की जिज्ञासा बढ़ाना, छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति प्रेरित करना है ।

शैक्षिक भ्रमण के दौरान की गई गतिविधियाँ:
पांडुपोल में छात्रों ने इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की, भर्तृहरि में छात्रों ने सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया, बाला किला में छात्रों ने विज्ञान के बारे में जानकारी प्राप्त की, नारायणी माता भानगढ़ में छात्रों ने धार्मिक गतिविधियों में भाग लिया, आभानेरी में छात्रों ने इतिहास और संस्कृति के बारे में जानकारी प्राप्त की।

सड़क सुरक्षा अभियान 31 जनवरी तक होगा जिले में संचालित

-सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये होंगी विभिन्न गतिविधियां

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026-सड़क सुरक्षा अभियान जिले में 1 जनवरी से लेकर 31 जनवरी 2026 तक संचालित होगा। इस दौरान जिले में सड़क सुरक्षा के मद्देनजर विभिन्न गतिविधियां संचालित की जायेंगी। जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने सड़क सुरक्षा अभियान की सफलता के लिये विभिन्न विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है। जिला कलक्टर के अनुसार राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के लिये इस वर्ष की थीम 'सीख से सुरक्षा, टेक्नोलॉजी से परिवर्तन' के मद्देनजर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिये विभिन्न गतिविधियां की जायेगी। इसके तहत जिला परिवहन विभाग, पीडब्ल्यूडी और यातायात पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटनाओं एवं मृत्यु दर में कमी लाने के लिये अपेक्षित कार्यवाही की जायेगी। परिवर्तन एवं मॉनिटरिंग के साथ-साथ सड़क सुरक्षा मानकों के आधार पर गत वर्ष के कार्यों की समीक्षा करते हुए जिले के हाई रिस्क कोरिडोर्स पर शून्य मृत्यु दर के लिये उपाय किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि सड़कों पर साईन बोर्ड, सड़क चिन्हों तथा स्पीड ब्रेकर, आपातकालीन सेवाओं का उपयोग, सड़क डिजाईन और रखरखाव प्रोटोकॉल में सुरक्षा को प्राथमिकता व्यापक जन जागरूकता अभियान, सड़क सुरक्षा चैम्पियन और भले मददगार व्यक्तियों का सम्मान, पैदल यात्रियों, साईकिल सवारों तथा दुपहिया वाहन चालकों हेतु विशेष जागरूकता अभियान, रोड़ सेफ्टी हेतु प्रतियोगिता आयोजित करने सहित विभिन्न गतिविधियां की जायेगी। इसके लिये जिला परिवहन अधिकारी को नोडल और पीडब्ल्यूडी एसई व यातायात वृत्ताधिकारी को सहायक नोडल नियुक्त किया गया है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह:

महवा पुलिस ने किया रोड सेफ्टी कार्यक्रम का आयोजन

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। दौसा पुलिस अधीक्षक सागर राणा, IPS के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा दिनांक 01 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक मनाए जा रहे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत रोड सेफ्टी कार्यक्रम का आयोजन महवा पुलिस ने किया। इस कार्यक्रम में महवा पुलिस टीआई मानसिंह, अंगूर सिंह मीणा, रामेश्वर दयाल शर्मा, बाबूलाल, नरेंद्र के द्वारा कर्मचारियों एवं आमजन को यातायात नियमों की जानकारी प्रदान करते हुए सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के दौरान ट्रैफिक पुलिस द्वारा दी गई जानकारी:

- शराब के नशे में वाहन नहीं चलाने की अपील
- बिना हेलमेट वाहन नहीं चलाने की सलाह
- रॉन्ग साइड वाहन नहीं चलाने की चेतावनी

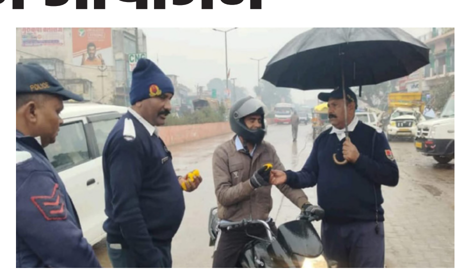

- वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करने की सलाह
- चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने की सलाह

इस अवसर पर लोगों को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में बताया गया और उन्हें सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाकर सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया।

शीत लहर के मद्देनजर आंगनबाड़ी केन्द्र में आने वाले बच्चों के लिये अवकाश घोषित

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। वर्तमान में प्रदेश में शीत लहर के प्रकोप के मद्देनजर आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले बच्चों के लिये अवकाश घोषित किया गया है। जिला कलक्टर डॉ. मंजू के अनुसार आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले शाला पूर्व शिक्षा गतिविधियों के 3-6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का 2 जनवरी से लेकर 10 जनवरी 2026 तक के लिये अवकाश घोषित किया गया है। आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से दी जाने वाली सेवाएं यथा टीकाकरण, मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस आदि गतिविधियां पूर्व की भांति सम्पादित की जायेगी। समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मानदेयकर्मी निर्धारित समय में नियमित रूप से उपस्थित रहकर आंगनबाड़ी केन्द्रों के संचालन संबंधी समस्त गतिविधियों को सम्पादित करेंगे। उक्त अवधि के दौरान आंगनबाड़ी केन्द्र पर उपस्थित होने वाले बच्चों को दिये जाने वाला गर्म पोषाहार, टेक होम, राशन के रूप में उपलब्ध करवाया जायेगा।

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय नंबर 15 अंग्रेजी माध्यम में प्रवेश प्रारंभ

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर संचालित महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नंबर 15 अंग्रेजी माध्यम में सत्र 2025 - 26 हेतु प्रवेश प्रक्रिया 6 मई 2026 से प्रारंभ हो गई है जिसकी अंतिम तिथि 15 जून 2026 है। विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती अलका भाकर ने बताया की विभिन्न कक्षाओं (कक्षा नर्सरी से कक्षा 12 विज्ञान संकाय) में रिक्त सीटों के विरुद्ध प्रवेश लॉटरी के माध्यम से दिया जाएगा जिसकी 17 जून 2026 है। प्रवेश हेतु आवेदन ऑनलाइन शाला दर्पण के माध्यम से भरे जाएंगे । प्रवेश संबंधी विस्तृत जानकारी विद्यालय समय में प्राप्त की जा सकती है ।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026:

सड़क सुरक्षा जागरूकता प्रदर्शनी का शुभारंभ

बारां (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 (01 जनवरी से 31 जनवरी 2026) के अंतर्गत आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता प्रदर्शनी का शुभारंभ गुरुवार को जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, बारां के परिसर में किया। प्रदर्शनी का उद्देश्य आमजन को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित, अनुशासित और जिम्मेदार यातायात व्यवहार को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर भंवर लाल जनागल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव सक्सेना, जिला शिक्षा अधिकारी सीताराम गोयल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला कलक्टर ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए केवल कानून ही नहीं, बल्कि नागरिकों में जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, नशे की हालत में वाहन नहीं चलाना तथा मोबाइल

का प्रयोग करते हुए वाहन न चलाना जैसे नियम अपनाकर कई बहुमूल्य जानें बचाई जा सकती हैं। उन्होंने सड़क सुरक्षा को जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। जिला परिवहन अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा ने बताया कि जिला सड़क सुरक्षा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस माह के दौरान आमजन को यातायात नियमों एवं सुरक्षित सड़क व्यवहार के प्रति जागरूक करने के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों में स्कूल, कॉलेज विद्यार्थियों के लिए कार्यशालाएं, साइकिल व हेलमेट रैलियां, निबंध, स्लोगन व पोस्टर प्रतियोगिताएं, वाहन चालक प्रशिक्षण, स्वास्थ्य व नेत्र जांच शिविर, पैदल यात्री रैली, ऑनलाइन क्विज, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण शामिल हैं।

एएसपी ने यातायात नियमों के उल्लंघन से होने वाली दुर्घटनाओं के आंकड़ों की जानकारी देते हुए नियमों के सख्त पालन का संदेश दिया। वहीं सीएमएचओ ने सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली गंभीर चोटों एवं उनके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में जानकारी साझा की। प्रदर्शनी में सड़क संकेतों, सुरक्षित ड्राइविंग के तरीकों, दुर्घटना से बचाव के उपायों तथा आपातकालीन सहायता संबंधी जानकारियों को पोस्टर, चार्ट एवं चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। आयोजन के माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश प्रभावी ढंग से दिया गया।

चौथ माता मेला 5 से 8 जनवरी तक:

श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता के लिए जिला प्रशासन एवं ट्रस्ट की संयुक्त तैयारी बैठक आयोजित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। चौथ का बरवाड़ा में 5 से 8 जनवरी, 2026 तक आयोजित होने वाले चौथ माता मेले को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियाँ पूरी कर ली हैं। जिला कलक्टर काना राम की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार की उपस्थिति में गुरुवार को चौथ माता मंदिर परिसर में आयोजित संयुक्त बैठक में मंदिर ट्रस्ट एवं संबंधित विभागों के साथ व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। मुख्य मेला 6 जनवरी को होगा। जिला कलक्टर ने नववर्ष के अवसर पर चौथ माता के दर्शन भी किए और जिले की खुशहाली की मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु चौथ माता के दर्शन के लिए आते हैं और इस वर्ष संख्या में वृद्धि की संभावना है। ऐसे में, सुरक्षा, यातायात, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता व्यवस्थाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने कहा कि 'स्वच्छ मेला' ही स्वस्थ और प्रसन्न श्रद्धालुओं की पहचान है।

मेले में स्वच्छता पर फोकस :-
बैठक में मेले के दौरान 24 घण्टे विशेष स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने, मंदिर परिसर एवं मेला मार्गों पर नियमित सफाई, प्लास्टिक कैरी बैग पर पूर्ण प्रतिबंध तथा कपड़े, जूट एवं कागज के थैलों के उपयोग के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, पर्याप्त मात्रा में डस्टबिन लगाए जाएंगे तथा उल्लंघन करने वालों पर 500 रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अतिरिक्त चल शौचालय, रैन बसेरों में रजाई-गद्दों की व्यवस्था तथा पांच प्रमुख मार्गों पर पार्किंग के साथ विद्यालय मैदान में अतिरिक्त पार्किंग व्यवस्था, सफाई एवं झाड़ी कटाई के भी निर्देश दिए गए हैं। विद्युत विभाग की ओर से निर्बाध बिजली आपूर्ति, झूलते तथा खुले तारों को सुरक्षित करने तथा आपात स्थिति हेतु जनरेटर की व्यवस्था के लिए अधीक्षण अभियंता बीएल मीणा को निर्देश दिए गए हैं। 24 घंटे शुद्ध पेयजल आपूर्ति, टैंकर, टंकियां, वाटर कूलर, वॉशबेसिन एवं साइनेज लगाने के निर्देश

अधीक्षण अभियंता जलदाय विभाग बीएस मीना को दिए गए हैं।

खाद्य पदार्थों में मिलावट और अशुद्धता पर कड़ी कार्रवाई होगी :-
जिला प्रशासन ने खाद्य सामग्री की दुकानों पर कॉमर्शियल गैस सिलेंडर का उपयोग सुनिश्चित करने, खाद्य पदार्थों की शुद्धता की नियमित जांच, सड़कों के गड्ढे भरवाने, यातायात सुचारू रखने, ओवरलोडिंग रोकने एवं नशे में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं।

सीसीटीवी से होगी चप्पे-चप्पे पर निगरानी, वैकल्पिक मार्ग तैयार :-
जिला कलक्टर ने संपूर्ण मेला परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाकर कंट्रोल रूम से निगरानी रखने, यातायात नियंत्रण हेतु अटल पथ एवं आपात स्थिति में मंदिर परिसर से श्रद्धालुओं को नीचे तक लाने के लिए वैकल्पिक मार्ग विकसित करने के निर्देश दिए हैं। यात्रियों की सुविधा हेतु मेला नक्शा तैयार कर सार्वजनिक स्थलों पर लगाया जाएगा तथा कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर प्रचारित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं की सहायता के लिए स्काउट, एनसीसी स्वयंसेवक, अग्निशमन वाहन, अग्निशमन यंत्र, तीन मेडिकल टीमें एवं दो एम्बुलेंस तैनात रहेंगी। चौथ का बरवाड़ा के चिकित्सालयों में पर्याप्त मेडिकल स्टाफ, दवाइयों एवं एम्बुलेंस की व्यवस्था 8-8 घण्टे की परियों में राउण्ड द क्लॉक ड्यूटी लगाई जाएगी।

अत्यधिक ठण्ड और शीत लहर के मद्देनजर निर्देश जारी

-जिला प्रशासन ने सुरक्षा और बचाव के लिये अधिकारियों को किया निर्देशित

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। आपदा प्रबंधन सहायता एवं नागरिक सुरक्षा की ओर से जिले में अत्यधिक ठण्ड और शीतलहर के मद्देनजर जनजीवन की सुरक्षा और बचाव हेतु जिला प्रशासन द्वारा निर्देश जारी किये गये हैं। जिला कलक्टर डॉ. मंजू के अनुसार संबंधित विभागीय अधिकारियों को जिले में अत्यधिक ठण्ड और शीतलहर के मद्देनजर जनजीवन की सुरक्षा और बचाव के लिये निर्देशित किया गया है। समस्त नगर निकाय चिकित्सा, भोजन, पानी सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं के साथ रैन बसेरों का नियमित रूप से संचालन सुनिश्चित करेंगे। औद्योगिक संस्थानों में अभियान चलाकर श्रमिकों को मौसमी बीमारियों और पाला-शीतलहर से बचाव के प्रबंध करवाये जाने के लिये नियोजकों को पाबंद करना सुनिश्चित करेंगे। बेसहारा, बेघर, बुजुर्ग और कमजोर समूह को दवाएं सहित उपचार व्यवस्था के लिये निर्देशित किया गया है। राजकीय चिकित्सा संस्थानों में स्टाफ और दवा, पुलिस विभाग द्वारा पैट्रोलिंग किये जाने, खुले में सोने वालों को रैन बसेरों में भिजवाने, अकेले रहने वाले असहायों को आवश्यक राहत उपलब्ध करवाने, विभिन्न संचार माध्यमों से शीत लहर से बचाव संबंधी सुझाव बताने और भारतीय मौसम विभाग द्वारा शीत लहर चेतावनी के मद्देनजर विद्यालयों का संचालन करने, पशुओं को शीत लहर से बचाने, बस स्टैण्ड, टैक्सी स्टैण्ड सहित सार्वजनिक स्थलों पर आवश्यकतानुसार प्राथमिक उपचार की व्यवस्था करने और घने कोहरे के मद्देनजर पब्लिक ट्रांसपोर्ट समय को परिवर्तित करने सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

म्यूचुअल फंड परिसंपत्तियों में 2025 में 14 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। म्यूचुअल फंड उद्योग ने 2025 में अपनी मजबूती बरकरार रखते हुए परिसंपत्ति आधार में रिकॉर्ड 14 लाख करोड़ रुपए जोड़े। खुदरा निवेशकों की बढ़ती भागीदारी और व्यवस्थित निवेश योजना में लगातार रिकॉर्ड निवेश के चलते उद्योग का कुल प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति नवंबर 2025 तक बढ़कर 81 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के सीईओ वेंकट चालसानी ने कहा कि उद्योग का परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है। उन्होंने बताया कि मजबूत स्ढ्ढक्क प्रवाह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निकासी की भरपाई कर रहे हैं और बाजार को स्थिरता प्रदान कर रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में म्यूचुअल फंड उद्योग में शुद्ध निवेश प्रवाह 7 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि निवेशक आधार में 3.36 करोड़ नए निवेशक जुड़े। केवल एसआईपी के माध्यम से ही करीब 3 लाख करोड़ रुपए का निवेश दर्ज किया गया। इन प्रवाहों के चलते उद्योग का एयूएम 2024 के अंत में 67 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर नवंबर 2025 के अंत तक 81 लाख करोड़ रुपए हो गया यानी करीब 21 प्रतिशत की वृद्धि। हालांकि यह वृद्धि दर 2024 (31%) और 2023 (27%) से कम रही लेकिन दीर्घकालिक रुझान अब भी मजबूत बना हुआ है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के अनुसंधान प्रमुख प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि 2025 में एयूएम में तेजी का मुख्य कारण मजबूत शेयर बाजार प्रदर्शन और एसआईपी के जरिये लगातार खुदरा निवेश रहा। उन्होंने बताया कि घरेलू बचत का वित्तीयकरण, पहली बार निवेश करने वालों की बढ़ती संख्या और म्यूचुअल फंड को पारदर्शी व विनियमित निवेश विकल्प के रूप में बढ़ती स्वीकार्यता ने उद्योग को मजबूती दी है। चालसानी ने कहा कि मध्यम से दीर्घ अवधि में बढ़ती वित्तीय जागरूकता, छोटे शहरों से निवेशकों की भागीदारी और एसआईपी की लोकप्रियता उद्योग की स्थिर और व्यापक वृद्धि को आगे भी समर्थन देती रहेगी। गौरतलब है कि म्यूचुअल फंड उद्योग ने लगातार 13वें साल एयूएम में वृद्धि दर्ज की है, जो दीर्घकालिक निवेश की ओर संरचनात्मक बदलाव को दर्शाता है। 2025 में निफ्टी 50 में 8.4 प्रतिशत और बीएसई सेंसेक्स में करीब 10 प्रतिशत की बढ़त ने भी निवेशकों की धारणा को मजबूती दी। इक्विटी-उन्मुख योजनाओं में शुद्ध निवेश 3.53 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि एसआईपी प्रवाह सितंबर, अक्टूबर और नवंबर में लगातार 29,000 करोड़ रुपए से ऊपर बना रहा।

स्किल इंडिया मिशन की पहल के तहत एआई प्रमाणपत्र देंगी राष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी। यह एआई आधारित भविष्य के लिए कार्यबल को तैयार करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राष्ट्रपति छात्रों और संसद सदस्यों सहित शिक्षार्थियों को कृत्रिम मेधा (एआई) के प्रमाणपत्र प्रदान करेंगी और भविष्य-उन्मुख कौशल कार्यक्रमों में अधिक युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय जागरूकता अभियान स्किल द नेशन चैलेंज की शुरुआत करेंगी। कार्यक्रम के तहत एमएसडीई राष्ट्रपति भवन में एआई फॉर बिगिनर्स विषय पर एक विशेष सत्र आयोजित करेगा। यह सत्र एक संक्षिप्त संवादात्मक शिक्षण मॉड्यूल होगा, जिसे मंत्रालय के प्रमुख एआई कौशल साझेदार गूगल के सहयोग से एक विश्व प्रसिद्ध एआई विशेषज्ञ द्वारा संचालित किया जाएगा। राष्ट्रपति ओडिशा में रायरंगपुर स्थित इग्नू क्षेत्रीय केंद्र का वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये उद्घाटन भी करेंगी।

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत बना चमकता सितारा

2025 में घरेलू ताकत ने रची विकास की कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत ने 2025 में तेज विकास दर, नियंत्रित महंगाई और मजबूत घरेलू मांग के दम पर चमकता सितारा बनने का दर्जा हासिल किया।

साल 2025 वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सुस्ती और अनिश्चितता का वर्ष रहा, लेकिन भारत इस परिदृश्य में एक अपवाद के रूप में उभरा। अमेरिका एवं यूरोप में ऊंची ब्याज दरें, कमजोर उपभोक्ता मांग और व्यापार तनावों के बीच भारत ने अपेक्षाकृत तेज विकास दर, नियंत्रित महंगाई और मजबूत घरेलू मांग का प्रदर्शन किया।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक और आरबीआई के आकलन बताते हैं कि 2025 में भारत की आर्थिक कहानी केवल बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि आंतरिक संरचनात्मक मजबूती से गढ़ी गई। आईएमएफ के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक 2025 के मुताबिक, भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 2025 में करीब 6.8 फीसदी रही। यह वैश्विक औसत 3.2% से अधिक है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय

के अग्रिम अनुमानों में भी सेवा क्षेत्र, निर्माण और सार्वजनिक निवेश को विकास का प्रमुख इंजन बताया गया। सीएमआईई के अर्थशास्त्री महेश व्यास का कहना है कि भारत की वृद्धि का सबसे बड़ा आधार घरेलू मांग है, जिसने निर्यात और वैश्विक व्यापार की सुस्ती के असर को संतुलित किया।

2025 में भारत में खुदरा महंगाई औसतन 5.4 फीसदी रही, जो कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कम थी। खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद मुख्य महंगाई अपेक्षाकृत नियंत्रित रही। इससे आरबीआई को भी राहत मिली और उसने मौद्रिक नीति के मोर्चे पर विकास-समर्थक लेकिन सतर्क नीति अपनाई। 2025 में केंद्र का पूंजीगत खर्च जीडीपी के 3.4 फीसदी तक पहुंच गया।सड़क, रेलवे, रक्षा उत्पादन और हरित ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश ने मांग एवं रोजगार दोनों को सहारा दिया। विश्व बैंक की इंडिया डेवलपमेंट अपडेट 2025 रिपोर्ट के मुताबिक, सार्वजनिक निवेश ने निजी क्षेत्र के लिए क्राउड-इन इफेक्ट पैदा किया। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया के मुताबिक, भारत की विकास रणनीति अब निवेश और उत्पादकता बढ़ाने पर आधारित है, जो इसे लचीला बनाती है।

अमेरिकी टैरिफ को इस वर्ष का सबसे बड़ा बाहरी आर्थिक झटका माना गया। अमेरिका को भारत के निर्यात में दूसरी और तीसरी तिमाही में 6-7 फीसदी की गिरावट आई। हालांकि, इस झटके का असर सीमित रहा, क्योंकि यूरोपीय संघ, पश्चिम एशिया और अफ्रीका में निर्यात बढ़ा। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बिस्वजीत धर के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था अब इतनी विविध हो चुकी है कि एक बाजार का झटका सिस्टमेटिक संकट नहीं बन पाया।

2026 भारत के लिए नीतिगत फैसलों, वैश्विक भू-आर्थिक बदलावों और घरेलू सुधारों की वास्तविक परीक्षा का वर्ष बनेगा।

1979 के बाद सोने का सबसे बड़ा उछाल, चार दशक का सबसे मजबूत प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनाव और कमजोर डॉलर के बीच सोने ने एक बार फिर अपनी चमक साबित कर दी है। साल 2025 में सोने की कीमतों में ऐसा उछाल देखने को मिला है, जो 1979 के बाद सबसे बड़ा माना जा रहा है। सोना चार दशक से ज्यादा समय में अपने सबसे मजबूत सालाना प्रदर्शन की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। हाजिर सोना 1.3 फीसदी की तेजी के साथ 4,387.29 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इससे पहले सोमवार को

इसमें दो महीने से अधिक समय की सबसे बड़ी एकदिनी गिरावट दर्ज की गई थी। बीते शुक्रवार को सोने ने 4,549.71 डॉलर प्रति औंस का रिकॉर्ड उच्च स्तर छुआ था। विश्लेषकों के मुताबिक, हालिया गिरावट मुनाफावसूली का नतीजा रही। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दिसंबर बैठक की कार्यवाही का इंतजार किया जा रहा है। बाजार को उम्मीद है कि अगले साल ब्याज दरों में दो बार कटौती हो सकती है। कम ब्याज दरों का माहौल आमतौर पर सोने जैसी नॉन-यील्डिंग संपत्तियों के लिए सकारात्मक माना जाता है। भू-राजनीतिक मोर्चे पर भी तनाव बना हुआ है। रूस द्वारा यूक्रेन पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास को निशाना बनाने के प्रयास का आरोप लगाए जाने के बाद हालात और बिगड़े हैं, जिससे शांति समझौते की संभावनाओं को झटका लगा है। कमजोर डॉलर, केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीद और ईटीएफ में बढ़ती हिस्सेदारी के चलते इस साल सोने की कीमतों में करीब 66 फीसदी का उछाल आया है, जो 1979 के बाद का सबसे बड़ा सालाना फायदा माना जा रहा है।

रेल यात्रियों के लिए खुशखबरी: अब अनारक्षित टिकट की बुकिंग पर मिलेगी तीन फीसदी की छूट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने रेल यात्रियों को बड़ी राहत देते हुए अनारक्षित टिकट की बुकिंग पर तीन फीसदी की छूट देने का एलान किया है। रेल मंत्रालय की तरफ से जारी पत्र में कहा गया है कि तीन प्रतिशत छूट का प्रस्ताव 14 जनवरी से 14 जुलाई, 2026 की अवधि के दौरान लागू रहेगा।

रेल मंत्रालय ने अनारक्षित टिकटों की खरीदे को लेकर बड़ा एलान लिया है। रेलवे 14 जनवरी से 14 जुलाई 2026 तक रेलवन एप के माध्यम से अनारक्षित टिकटों की खरीद और किसी भी डिजिटल माध्यम से भुगतान पर तीन प्रतिशत की छूट प्रदान करेगा। वर्तमान में रेलवन एप पर आर-वॉलेट पेमेंट के जरिये अनारक्षित टिकट बुक करने पर तीन प्रतिशत कैशबैक मिलता है।

मंत्रालय की ओर से 30 दिसंबर को रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) को लिखे पत्र में कहा गया है कि डिजिटल बुकिंग को बढ़ावा देने के लिए, रेलवन एप पर सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों से अनारक्षित टिकटों की बुकिंग करते समय तीन प्रतिशत की छूट प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। मंत्रालय ने सीआरआईएस को इसके लिए सॉफ्टवेयर सिस्टम में आवश्यक बदलाव करने का निर्देश दिया।

पत्र में कहा गया, 'तीन प्रतिशत छूट का प्रस्ताव 14.01.2026 से 14.07.2026 की अवधि के दौरान लागू रहेगा। सीआरआईएस इस प्रस्ताव पर आगे की

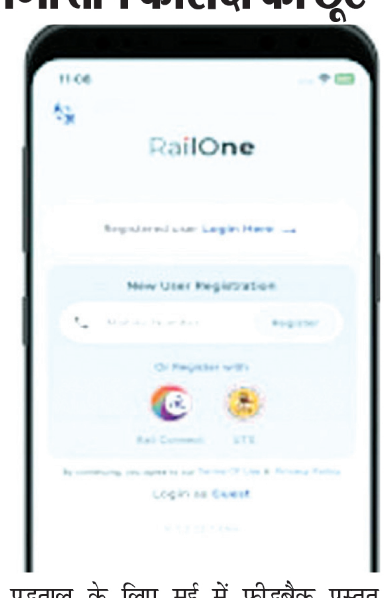

पड़ताल के लिए मई में फीडबैक प्रस्तुत करेगी।पत्र में स्पष्ट किया गया है कि रेलवन ऐप पर 'आर-वॉलेट' के माध्यम से बुकिंग करने पर मिलने वाला मौजूदा तीन प्रतिशत 'कैशबैक' जारी रहेगा। यह स्पष्ट करते हुए कि यह पेशकश किसी अन्य ऑनलाइन अनारक्षित टिकट खरीद प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं है, एक अधिकारी ने कहा, 'मौजूदा व्यवस्था में, रेलवन एप पर अनारक्षित टिकट खरीदने और आर-वॉलेट के माध्यम से भुगतान करने वाले संभावित यात्रियों को तीन प्रतिशत 'कैशबैक' की पेशकश की जाती है।

सेंसेक्स 500 अंक चढ़कर 85,180 पर कारोबार कर रहा

मुंबई, एजेंसी। घरेलू संस्थागत निवेशकों की निरंतर खरीदारी से सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को तेजी दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स पांच सत्र की गिरावट के बाद आज 505.37 अंक चढ़कर 85,180.45 अंक पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 178.45 अंक की बढ़त के साथ 26,117.30 अंक पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टाटा स्टील, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाइटन, एक्सिस बैंक, अडानी पोर्ट्स और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। हालांकि बजाज फिनसर्व, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, महिंद्रा एंड महिंद्रा और इन्फोसिस के शेयर में गिरावट देखी गई। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का एसएसई कम्पोजिट इंडेक्स और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट में रहे। अमेरिकी बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 61.27 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,844.02 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 6,159.81 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

मास्टर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के तीसरे बैच के लिए एडमिशन शुरू किये

इंदौर, एजेंसी। आईआईएम इंदौर (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट इंदौर) ने काम करने वाले लोगों के लिए अपने दो साल के खास मास्टर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज प्रोग्राम के तीसरे बैच के लिए आवेदन शुरू कर दिए हैं। आईआईएम इंदौर दुनिया के उन गिने-चुने संस्थानों में से है जिसे तीन बड़ी अंतर्राष्ट्रीय मान्यताएं - ईक्यूयूआईएस, एएसीएसबी, और एएमबीए का ट्रिपल क्राउन मिला हुआ है। यह प्रोग्राम मार्च 2026 से मार्च 2028 तक चलेगा और यह लाइव ऑनलाइन डिग्री प्रोग्राम है, जिसमें 900 घंटे की पढ़ाई होगी। यह प्रोग्राम मिड-कॅरियर लीडर्स को एडवांस मैनेजमेंट क्षमताएं, रणनीतिक सोच और व्यवहारिक समझ देता है ताकि वे जटिल व्यापारिक माहौल को संभाल सकें।

मास्टर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़ प्रोग्राम पेशेवरों को मुख्य विषयों जैसे माइक्रोइकोनॉमिक्स, मार्केटिंग, ऑपरेशंस, फाइनेंस, मानव संसाधन और रणनीतिक प्रबंधन में गहन मैनेजमेंट विशेषज्ञता विकसित करने में मदद करता है। बाद के चरणों में, लर्नर्स चुने हुए इलेक्टिव विषयों, प्रोजेक्ट्स और एक थीसिस ट्रैक के माध्यम से इस नींव को और मजबूत करते हैं। वे इंटरैक्टिव लर्निंग और 16 दिनों के तीन ऑन-कैंपस सेशन के माध्यम से डेटा-आधारित निर्णय लेना, ज़िम्मेदार नेतृत्व, नैतिक निर्णय और जटिल वैश्विक व्यापारिक माहौल को संभालने की क्षमता विकसित करते हैं। ये ऑन-कैंपस सेशन आपसी सहयोग को भी बढ़ावा देते हैं। पिछले बैचों में आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, मार्केटिंग, सेल्स, ऑटोमोटिव, मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर और अन्य क्षेत्रों के अनुभवी पेशेवर शामिल थे, जिनमें सीईओ, वाइस प्रेसिडेंट, डायरेक्टर, जनरल मैनेजर, सीनियर मैनेजर्स और एनालिस्ट जैसे बड़े पद के लोग थे।

आईआईएम इंदौर के डायरेक्टर, प्रोफेसर हिमांशु राय ने इस प्रोग्राम की घोषणा पर कहा, कामकाजी पेशेवरों के लिए हमारा यह दो साल का ऑनलाइन डिग्री प्रोग्राम आईआईएम इंदौर के उस समर्पण को दर्शाता है कि हम ऐसे लीडर्स तैयार करें जो जटिलता और बदलाव के बीच भी उत्कृष्टता प्राप्त करें।

भारत ने तोड़ा वर्षों पुराना यह रिकॉर्ड, चीन को पछाड़ निकल गया सबसे आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। चावल की बड़े पैमाने पर खेती और उत्पादन के मामले में लंबे समय तक चीन दुनिया में सबसे आगे रहा लेकिन अब भारत ने वर्षों पुराना यह रिकॉर्ड तोड़ दिया है। भारत न सिर्फ दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक बन गया है, बल्कि वैश्विक चावल उत्पादन में उसकी हिस्सेदारी 28 प्रतिशत से भी ज्यादा हो चुकी है। इस बड़ी उपलब्धि को यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर ने भी मान्यता दी है। यूएसडीए की दिसंबर 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में चावल का उत्पादन बढ़कर 152 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंच गया है, जबकि चीन का उत्पादन 146 मिलियन मीट्रिक टन रहा। इसके साथ ही भारत दुनिया में चावल उत्पादन का नया सरताज बन गया है। भारत में चावल की खेती कोई नई बात नहीं है। प्राचीन काल से ही चावल भारतीय भोजन और कृषि का अहम हिस्सा रहा है। दुनिया में चावल की करीब 1.23 लाख किस्में पाई जाती हैं, जिनमें से लगभग 60 हजार किस्में भारत में मौजूद हैं। हालांकि, भारत को इस मुकाम तक पहुंचाने में ताइवान की अहम भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। 1960 के दशक में जब भारत भीषण खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था, तब ताइवान ने भारत की मदद के लिए अपने धान की किस्म ताइचुंग नेटिव-1 उपलब्ध कराई।

पीएनजी ज्वेलर्स ने लाइटस्टाइल बाय पीएनजी के साथ विकास के अगले पड़ाव को गति दी

सारा तेंदुलकर को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया

पुणे, एजेंसी। पीएनजी ज्वेलर्स के समकालीन हल्के वजन वाले उत्तम आभूषण ब्रांड लाइटस्टाइल बाय पीएनजी ने सारा तेंदुलकर को अपना ब्रांड एंबेसडर घोषित किया है. यह कदम भारत के भविष्य के ज्वेलरी उपभोक्ताओं से ब्रांड के जुड़ाव को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है.

यह साझेदारी पीएनजी ज्वेलर्स के पुराने ग्राहकों और भविष्य के ग्राहकों के बीच एक धोरणात्मक सेतु के रूप में लाइटस्टाइल की भूमिका को और मजबूत करती है. पीएनजी ज्वेलर्स लगभग दो सदियों से पीढ़ियों से एक विश्वसनीय नाम रहा है, वहीं लाइटस्टाइल को विशेष रूप से आधुनिक रिटेल प्रारूप, समकालीन डिजाइन भाषा और एक सर्वव्यापी अनुभव के माध्यम से अगली पीढ़ी के लिए प्रासंगिक बने रहने के लिए सोच-समझकर तैयार किया गया है.

लाइटस्टाइल के पीछे की व्यापक सोच

के बारे में बात करते हुए, पीएनजी ज्वेलर्स के अध्यक्ष और व्यवस्थापकीय संचालक डॉ. सौरभ गाडगीळ ने कहा, लाइफस्टाइल बाय पीएनजी हमारे मौजूदा ग्राहकों और भविष्य के ग्राहकों के जोड़ने का एक अच्छा और दीर्घकालिक प्रयास है. पीएनजी ने पीढ़ियों से विश्वास संपादन किया है, लेकिन हमारे लिए यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि हम आज के युवा उपभोक्ताओं की सोच, खरीदारी और अभिव्यक्ति के तरीके के अनुरूप बने रहें. लाइफस्टाइल को एक आधुनिक रिटेल फॉर्मेट के रूप में बनाया गया है, जिसमें मजबूत ओमनीचैनल उपस्थिति है और इसे केवल पारंपरिक अवसरों तक सीमित न रखकर रोज के पलों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है. यह कोई शार्ट टर्म स्टाइल पहल नहीं है, बल्कि पीएनजी के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक क्षेत्र है, जिसमें मर्चेंडाइजिंग, प्लानिंग, मार्केटिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर विशेष ध्यान दिया गया है. हमारे पायलट स्टोर्स को मिली उत्साहजनक प्रतिसाद ने हमें प्रमुख बाजारों में ब्रांड को संरचित तरीके से विस्तार करने का आत्मविश्वास दिया है. सारा तेंदुलकर की स्वाभाविक शालीनता, आधुनिक दृष्टिकोण और मजबूत डिजिटल जुड़ाव उन्हें ब्रांड की विचारधारा के लिए एकदम उपयुक्त बनाते हैं. इंस्टाग्राम पर 8.9 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स के साथ, उन्हें उनकी आकर्षक स्टाइल, प्रामाणिकता और संतुलित व्यक्तिमत्व के लिए व्यापक रूप से पहचाना जाता है. उत्कृष्ट डिझाइन, सादगीपूर्ण और आराम को प्राथमिकता देने वाले फैशन के प्रति उनकी पसंद, लाइटस्टाइल के डिजाइन सिद्धांतों के साथ पूरी तरह से मेल खाती है.

सीपीआई की गणना पद्धति में होगा बदलाव, 2026 में कम रहेगी महंगाई, जीएसटी कटौती ने उच्च कीमतों से दी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। सीपीआई की गणना पद्धति में बदलाव और खाद्य कीमतों में नरमी से 2026 में महंगाई कम रहने की उम्मीद। फरवरी में नई सीपीआई श्रृंखला जारी हो सकती है।

खुदरा महंगाई को लक्षित करने के लिए सरकार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति की गणना पद्धति में बदलाव और मौद्रिक नीति में संशोधन करने की तैयारी कर रही है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी और जीएसटी दरों में कमी के कारण इस वर्ष उच्च महंगाई से राहत मिली है। सीपीआई आधारित खुदरा महंगाई अगर 2 से 6 फीसदी के दायरे में बनी रही, तो आरबीआई रेपो दर में एक बार और कटौती कर सकता है।

खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी के अलावा सरकार के सितंबर में लगभग 400

वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कमी करने के निर्णय ने देश में मूल्य स्थिति को और बेहतर बनाने में मदद की। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) ने भी 2025 तक मुद्रास्फीति के दबाव में कमी के स्पष्ट संकेत दिखाए। शुरुआती महीनों में सकारात्मक लेकिन घटती डब्ल्यूपीआई महंगाई दर्ज की गई, जो विशेष रूप से खाद्य और ईंधन श्रेणियों में मूल्य दबाव में नरमी को दर्शाती है। खुदरा महंगाई नवंबर, 2024 से घटनी शुरू हुई और तब से जून, 2025 तक यह रिजर्व बैंक के 2 से 4 फीसदी के दायरे में बनी रही। इसके बाद यह 2 फीसदी से भी नीचे आ गई। सीपीआई में लगभग 48 फीसदी हिस्सा रखने वाली खाद्य महंगाई जनवरी में लगभग 6 फीसदी से घटनी शुरू हुई और जून में नकारात्मक स्तर पर यानी शून्य से नीचे पहुंच गई। नवंबर में खाद्य महंगाई (-)3.91 फीसदी थी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, अगले वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में शीर्ष महंगाई के 4 फीसदी के लक्ष्य के करीब रह सकती है। कीमती धातुओं को छोड़कर महंगाई काफी कम रहने की संभावना है, जैसा 2024 की शुरुआत से ही रुझान रहा है। अच्छे कृषि उत्पादन, कम खाद्य कीमतों और वैश्विक कमोडिटी कीमतों के असाधारण रूप से अनुकूल दृष्टिकोण से संकेत मिलता है कि पूरे वर्ष (2025-26) के लिए खुदरा महंगाई करीब 2 फीसदी रह सकती है।

सैमसंग एआईटीवी पर आ रहा है गूगल फोटोज

सैमसंग टीवी पर पहली बार मिलेगा गूगल फोटोज का अनुभव

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज अपनी एक नई पहल की घोषणा की है,जो हमारे यादों को सहेजने के तरीके को बदल देगी। कंपनी जल्द हीगूगल फोटोजको सीधे अपने टीवी लाइनअप में एकीकृत करने जा रही है। अब आपकी छुट्टियों की मस्ती,पुराने शौक और अपनों के साथ बिताए गए वो अनमोल पल सिर्फ मोबाइल तक सीमित नहीं रहेंगे;अब आप उन्हें अपने टीवी कीविशाल और भव्य स्क्रीनपर देख सकेंगे। इसका मकसद परिवारों को एक साथ लाना है,ताकि वे अपने जीवन के सबसे खूबसूरत लम्हों को एक शानदार और इमर्सिव अंदाज़ में फिर से जी सकें। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट (विजुअल डिस्प्ले बिजनेस), केविन ली ने इस

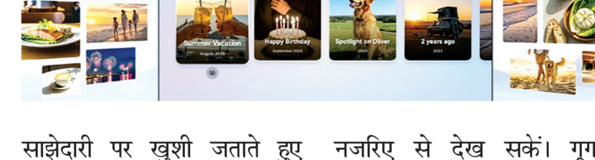

साझेदारी पर खुशी जताते हुए कहा, सैमसंग टीवी हमेशा से घर के लिविंग रूम का केंद्र रहे हैं,जहाँ पूरा परिवार एकजुट होता है। अब गूगल फोटोज के साथ यह अनुभव और भी खास और निजी होने जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि यूजर्स अपने लिविंग रूम में आराम से बैठकर अपनी तस्वीरों के पीछे छिपी अनकही कहानियों को फिर से महसूस कर सकें और उन महत्वपूर्ण पलों को एक नए नजरिए से देख सकें। गूगल फोटोज हमारी अनमोल यादों को फिर से जीने और उन्हें अपनों के साथ बांटने का काम बेहद आसान बना देता है। अब इस नई साझेदारी के साथ,आपके स्मार्टफोन की गैलरी में सिमटी यादें सीधे सैमसंग टीवी पर पहुँच जाएंगी।

तारा सुतारिया

को बदनाम करने के लिए इन्फ्लुएंसर्स को मिले 6000!

एक्ट्रेस ने खोली पोल, दिखाया सबूत

तारा सुतारिया ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने खुलासा किया है कि कैसे उनका करियर, उनका रिश्ता खराब करने के लिए निगेटिव पीआर चलाया गया। इन्फ्लुएंसर्स को उनके खिलाफ निगेटिव कॉन्टेंट बनाने के लिए 6 हजार रुपये दिए गए। उनका पोस्ट वायरल हो रहा है। एपी ढिल्लों के मुंबई में हुए कॉन्सर्ट को लेकर तारा सुतारिया और उनके बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया अभी भी चर्चा में हैं। वो पहले भी उंगली उठाने वालों को जवाब दे चुकी हैं, लेकिन इस बार उन्होंने एक ऐसा खुलासा किया है, जिससे सभी हैरान हैं। उन्होंने बताया कि उनकी इमेज खराब करने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को 6-6 हजार रुपये दिए गए हैं। तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया हाल ही में एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में शामिल हुए। यहां पर तारा स्टेज पर गईं। एपी ढिल्लों के साथ 'थोड़ी सी दारू' पर डांस किया। उन्होंने जाते-जाते उन्हें गालों पर चूमा तो एपी ढिल्लों ने उन्हें थाम लिया और किस करने के लिए आगे बढ़ने लगे। यूजर्स का कहना है कि तारा उस समय 'नहीं नहीं' में सिर हिला रही थीं। इस दौरान एक वीडियो में ये भी दिखाया गया कि वीर पहाड़िया ये सब देखकर काफी अपसेट लग रहे थे। तारा सुतारिया ने इन्फ्लुएंसर की पोस्ट को रीशेयर करते हुए लिखा, 'आवाज उठाने और यह बताने के लिए धन्यवाद कि यह सब पैसे लेकर किया गया पीआर है। मेरी इमेज को नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया है। यह घिनौना है कि उन्होंने कुछ खास मुद्दों की सूची बनाई और क्रिएटर्स को इसे तुरंत शेयर करने के लिए कहा। शर्मनाक।'इस पोस्ट में इन्फ्लुएंसर ने दावा किया कि उसे तारा के खिलाफ निगेटिव कंटेंट बनाने के लिए 6,000 रुपये दिए गए हैं। क्लिप में इन्फ्लुएंसर ने कहा, 'उन्होंने मुझसे कहा कि आपको एक घंटे में पेमेंट मिल जाएगा, आपको बस उन 8 प्वॉइंट पर कंटेंट डालना है, जो हमने शेयर किए हैं।

बॉर्डर 2 के जरिए पुरानी यादों को ताजा करने के लिए हर कोई उत्सुक है: फिल्म निर्माता निधि दत्ता

बॉर्डर 2 की निर्माता निधि दत्ता का कहना है कि घर कब आओगे गीत जारी होने से पहले ही फिल्म को मिल रहे प्यार से वह अभिभूत हैं।उन्हें विश्वास है कि इस नई फिल्म के जरिए प्रशंसक 1997 की हिट फिल्म की पुरानी यादों को फिर से जी सकेंगे।फिल्म निर्माता घर कब आओगे जारी करने के लिए तैयार हैं। यह गीत सोनू निगम, अरिजीत सिंह, विशाल मिश्रा और दिलजीत दोसांझ जैसे गायकों ने मिलकर गाया है। अनु मलिक के संगीत को मिथुन ने फिर से तैयार किया है और जावेद अख्तर द्वारा पुरानी फिल्म के लिए लिखे गए मूल गीत में अब अतिरिक्त पंक्तियां मनोज मुंतशिर शुक्ला द्वारा लिखी गई हैं। इस गीत के टीज़र को सभी मंचों पर 70 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। दत्ता के पिता जेपी दत्ता द्वारा 1997 में निर्देशित बॉर्डर एक ब्लॉकबस्टर फिल्म साबित हुई थी। निधि दत्ता ने एक बयान में कहा, बॉर्डर 2 सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह एक भावना है जो दुनिया भर के हर भारतीय से जुड़ी है। इस फिल्म के लिए विदेशों में भी भारतीयों की प्रतिक्रिया बेहद मार्मिक रही है। हर कोई फिल्म का इंतजार कर रहा है और हर कोई मेरे पिता की फिल्म से जुड़ी पुरानी यादों को फिर से जीना चाहता है। दत्ता ने कहा, घर कब आओगे गाने के जारी किए जाने को लेकर उमड़ रहे प्यार और उम्मीद ने भावनाओं को और भी गहरा कर दिया है।

हिना खान

ने रॉकी जायसवाल संग सक्सेसफुल रिलेशनशिप के सीक्रेट से उठाया पर्दा

टीवी की अक्षरा बन लोगों के दिलों पर राज करने वाली हिना खान को कौन नहीं जानता है। हिना ने रॉकी जायसवाल के संग शादी की है और उनकी लव स्टोरी काफी शानदार रही है.शादी से पहले दोनों लंबे वक्त तक रिलेशनशिप में रहे। हिना जब कैंसर से जंग लड़ रही थीं, रॉकी ने उनका पूरा साथ दिया. कई बार हिना इस बारे में बात कर चुकी हैं. एक बार फिर से हिना अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं. हिना खान ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर जो वीडियो शेयर किया उसमें रॉकी के लिखे हुए रोमांटिक नोट की झलक दिखाई. साथ ही लंबा-चौड़ा पोस्ट भी लिखा। हिना ने पोस्ट के जरिए बताया कि कैसे पिछले 13 सालों से रॉकी उन्हें स्पेशल फील करवाने में लगे हुए हैं। हिना ने कहा,'यह उनके प्यार जताने का तरीका है, यह उनकी लव लैंग्वेज है जो 10 साल से ज्यादा समय से चली आ रही है। उन्होंने बताया कि रॉकी दुनिया में कहीं भी ट्रैवल करें, उनके लिए छोटे-छोटे लव नोट्स छोड़ना कभी नहीं भूलते।' एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में ये भी लिखा कि जब आपका पति आपकी मेहनत को समझता है, आपको उसी शिद्दत से प्यार करता है..बल्कि हर गुजरते साल के साथ और ज्यादा तो वो एहसास बेहद खास होता है। उन्होंने साफ कहा कि 13 साल से ज्यादा साथ रहने के बाद भी उनके रिश्ते में प्यार और सम्मान कभी कम नहीं हुआ।

कौन बनेगा करोड़पति के सेट पर रो पड़े
अमिताभ बच्चन

धर्मेंद्र को याद कर बोले- वो सिर्फ एक एक्टर नहीं बल्कि अपना दोस्त, अपना आदर्श बताया

अमिताभ बच्चन हाल ही में 'कौन बनेगा करोड़पति 17' के सेट पर भावुक होते नजर आए. सेट पर जब उन्होंने दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र को याद किया तो उनकी आंखें नम हो गई. शो शुरू होती ही बिग की आंखें नम हो गई और उनकी आवाज भी भर्रा उठी। उन्होंने धर्मेंद्र सिर्फ एक एक्टर नहीं बल्कि अपना दोस्त, अपना परिवार और अपना आदर्श बताया. KBC 17 के इस खास एपिसोड में अमिताभ बच्चन ने धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म 'इक्कीस' की चर्चा की। इस फिल्म की प्रमोशन के लिए फिल्म की पूरी स्टार कास्ट को मंच पर इनवाइट किया गया था। इस फिल्म में अमिताभ की नातिन अगस्त्य नंदा भी अहम भूमिका में नजर आने वाली हैं।

काम और परिवार के बीच कैसे बैलेंस बना रहीं हैं
आलिया भट्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट आज हिंदी सिनेमा की उन चुनिंदा कलाकारों में शामिल हैं, जिन्होंने बहुत कम समय में अभिनय, समझदारी और संतुलन के साथ अपनी अलग पहचान बनाई है हाल ही में एक इंटरव्यू में आलिया ने अपने करियर, माँ और काम के प्रति बदलते नजरिए पर खुलकर बात की। इन दोनों बातचीतों को मिलाकर देखें तो साफ होता है कि आलिया आज एक नए फेज़ में हैं—जहां अनुभव, सहजता और आत्मविश्वास सबसे बड़ी ताकत बन चुके हैं। आलिया भट्ट ने माना कि मां बनने के बाद उनकी ज़िंदगी और काम करने का तरीका पहले जैसा नहीं रहा। उन्होंने कहा कि अब जिस रफ्तार और वॉल्यूम में वह काम करती हैं, वह पहले से अलग है. एक बच्चे की जिम्मेदारी ने उन्हें ज्यादा संतुलित और समझदार बना दिया है। आलिया के शब्दों में, अब वह खुद को 'कम्फर्टेबल, खुश और संतुष्ट' महसूस करती हैं।

2026 में रिलीज होने वाली फिल्मों की लिस्ट

1.आखिरी सवाल
रिलीज़ डेटः अप्रैल, 2026
कास्टः संजय दत्त, नीतू चंद्रा, अमित साध, समीरा रेड्डी, नमाशी चक्रवर्ती, त्रिधा चौधरी
डायरेक्टरः अभिजीत मोहन वरंग

2. बंदर
रिलीज़ डेटः जल्द घोषित होगी
कास्टः सबा आज़ाद, आमिर अज़ीज़, बॉबी देओल, नागेश भोंसले, संजय गांधी, जोजू जॉर्ज, सुकांत गोयल, जितेंद्र जोशी, सान्या मल्होत्रा, सपना पाब्बी
डायरेक्टरः अनुराग कश्यप

3. भूत बंगला
रिलीज़ डेटः अप्रैल 2026 (संभावित)
कास्टः अक्षय कुमार, तब्बू, वामिका गब्बी, परेश रावल, राजपाल यादव
डायरेक्टरः प्रियदर्शन
प्रोडक्शन हाउसः बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड

4. दो दीवाने सहर में
रिलीज़ डेटः 20 फ़रवरी 2026
कास्टः सिद्धांत चतुर्वेदी, मृणाल ठाकुर
डायरेक्टरः रवि उदयवार

5. फौजी
रिलीज़ डेटः 14 अगस्त 2026
कास्टः प्रभास, इमानवी, मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर, जया प्रदा, सजल अली, मृणाल ठाकुर
डायरेक्टरः हनु राघवपुडी

6. गलवान
रिलीज़ डेटः जल्द घोषित होगी
कास्टः सलमान खान, चित्रांगदा सिंह, अभिलाष चौधरी, अंकुर भाटिया, ज़ैन शॉ, सिद्धार्थ मूली, विपिन भारद्वाज
डायरेक्टरः अपूर्व लाखिया

7. गवर्नर
रिलीज़ डेटः –
कास्टः –
डायरेक्टरः –
प्रोडक्शन हाउसः सनशाइन प्रोडक्शंस

8. हैप्पी पटेल
रिलीज़ डेटः 16 जनवरी 2026
कास्टः वीर दास, एली फ्लोरी फॉसेट, इमरान खान, आमिर खान, संजय दत्त, प्रीति जी ज़िंटा
डायरेक्टर्सः वीर दास, कवि शास्त्री

9. हिसाब
रिलीज़ डेटः जल्द घोषित होगी

10. किंग
रिलीज़ डेटः जल्द घोषित होगी
कास्टः शाहरुख़ खान, दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अरशद वारसी, सुहाना खान
डायरेक्टरः सिद्धार्थ आनंद

11. लाहौर 1947
रिलीज़ डेटः जल्द घोषित होगी
कास्टः सनी देओल, विक्की कौशल, शबाना आज़मी, प्रीति ज़िंटा, अली फ़ज़ल, मिथुन चक्रवर्ती, करण देओल सहित अन्य
डायरेक्टरः राजकुमार संतोषी

12. लव एंड वॉर
रिलीज़ डेटः जल्द घोषित होगी
कास्टः आलिया भट्ट, रणबीर कपूर, विक्की कौशल
डायरेक्टरः संजय लीला भंसाली

13. मेरे रहो
रिलीज़ डेटः 12 दिसंबर 2025
कास्टः साई पल्लवी, जुनैद खान
डायरेक्टरः सुनील पांडे

14. मैसा
रिलीज़ डेटः जल्द घोषित होगी
कास्टः रश्मिका मंदाना, गुरु सोमसुंदरम, ईश्वरी राव
डायरेक्टरः रवींद्र पुल्ले

15. NTR-नील
रिलीज़ डेटः 25 जून 2026
कास्टः जूनियर एनटीआर, अनिल कपूर, रुक्मिणी वसंत, टोविनो थॉमस
डायरेक्टरः प्रशांत नील

16. प्रीतम प्यारे
प्रोडक्शन हाउसः आमिर खान प्रोडक्शंस

17. पेड्डी
रिलीज़ डेटः 27 मार्च 2026
कास्टः राम चरण, जाह्नवी कपूर, शिवा राजकुमार, जगपति बाबू, दिव्येंदु शर्मा
डायरेक्टरः बुची बाबू सना

18. रागिनी MMS 3
रिलीज़ डेटः जल्द घोषित होगी
डायरेक्टरः भूषण पटेल

19. रामायणः पार्ट 1
रिलीज़ डेटः 8 नवंबर 2026
कास्टः रणबीर कपूर, यश, साई पल्लवी, रवि दुबे, सनी देओल, काजल अग्रवाल, लारा दत्ता, रकुल प्रीत सिंह
डायरेक्टरः नितेश तिवारी

20. स्वाती डॉक्यूमेंट्री
रिलीज़ डेटः जल्द घोषित होगी
प्रोडक्शन हाउसः आमिर खान प्रोडक्शंस
यह एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म है, जिसे आमिर खान प्रोडक्शंस बना रहा है।

21. स्वयंभू
रिलीज़ डेटः – कास्टः –
डायरेक्टरः भारत कृष्णमाचारी

22. द पैराडाइज़
रिलीज़ डेटः 26 मार्च 2026
कास्टः राघव जुयाल, नानी, सोनाली कुलकर्णी
डायरेक्टर्सः हरि के. चंदुरी, विनय सागर जोन्नाला, श्रीकांत ओडेला

23. वध 2
रिलीज़ डेटः 6 फ़रवरी 2026
कास्टः नीना गुप्ता, संजय मिश्रा, नदीम खान, दीपक राय
डायरेक्टरः जसपाल सिंह संधू

24. व्हाइट
फिल्म का प्रकारः श्री श्री रवि शंकर की बायोपिक
एक्टरः विक्रांत मैसी

(साभार एजेंसी)

वैभव सूर्यवंशी के नाम रहा साल 2025

रिकॉर्ड्स जो इस 14 वर्षीय खिलाड़ी ने तोड़े

नईदिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 भारतीय क्रिकेट में एक युवा नाम के लिए याद किया जाएगा- वैभव सूर्यवंशी। महज 14 साल की उम्र में उन्होंने आईपीएल से लेकर विजय हजारे ट्रॉफी तक अपने दमदार प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा। बड़े मंचों पर बेखौफ बल्लेबाज़ी और लगातार रिकॉर्ड तोड़ते कारनामों ने उन्हें चर्चा के केंद्र में ला दिया। इस साल वैभव ने साबित किया कि उम्र नहीं, बल्कि हुनर ही असली पहचान बनाता है।

आईपीएल से मिली पहचान, 35 गेंदों में शतक- 19 अप्रैल 2025 को वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल में कदम रखा और पहली ही गेंद पर अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज़ को छक्का जड़कर सुर्खियां बटोरीं। 14 साल की उम्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में जहां मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, ईशांत शर्मा और वॉशिंगटन सुंदर जैसे अनुभवी गेंदबाज़ मौजूद थे, वैभव ने महज 35 गेंदों में शतक जड़ दिया। यह पारी आईपीएल इतिहास की सबसे विस्फोटक पारियों में शामिल हो गई।

रिकॉर्ड्स जो नाम के साथ जुड़ते गए- जनवरी 2024 में बिहार के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू करने के बाद से वैभव सूर्यवंशी लगातार रिकॉर्ड बुक में जगह बनाते चले गए। उनके नाम दर्ज प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं।

सबसे कम उम्र में लिस्ट -ए-शतक

लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज़ 150 रन

सबसे कम उम्र के टी20 शतकवीर

यूथ वनडे इतिहास में सबसे ज़्यादा छक्के- आईपीएल में सबसे तेज़ भारतीय शतक, यह सभी उपलब्धियां उन्होंने 15 साल की उम्र से पहले हासिल कर लीं।

तकनीक और आत्मविश्वास बने हथियार- वैभव की बल्लेबाज़ी की सबसे बड़ी खासियत है उनकी जबरदस्त बैट स्पीड। अनोखा ग्रिप, तेज़ डाउनस्विंग और आत्मविश्वास से भरा अंदाज उन्हें गेंदबाज़ों पर हावी बनाता है। इतनी कम उम्र में ऐसी ताकत और संतुलन उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग करता है।

जल्दी मिली शोहरत, जिम्मेदारी भी बड़ी- इतिहास गवाह है कि शुरुआती सफलता जितनी चमकदार होती है, उतनी ही नाज़ुक भी। विनोद कांबली और पृथ्वी शॉ जैसे उदाहरण चेतावनी देते हैं कि सही मार्गदर्शन के बिना प्रतिभा भटक सकती है। 2025 भारतीय क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी के नाम रहा वह प्रतिभा हैं, आकर्षण हैं और भविष्य की उम्मीद भी।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेमियन मार्टिन कोमा में

- **मेनिन्जाइटिस के चलते दिमाग में सूजन, 1999-2003 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम में शामिल थे**

सिडनी (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेमियन मार्टिन को मेनिन्जाइटिस (मस्तिष्क झिल्ली में सूजन) के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है और वे इंड्यूस्ड कोमा में हैं। उनका ब्रिस्बेन के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। बॉक्सिंग डे के दिन अचानक 54 साल के मार्टिन की तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके बाद उन्हें तुरंत ब्रिस्बेन के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पूर्व विकेटकीपर गिलक्रिस्ट ने की पुष्टि- मार्टिन की बीमारी की पुष्टि उनके करीबी दोस्त और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट ने की है। गिलक्रिस्ट ने मीडिया से बातचीत में बताया कि मार्टिन को बेहतरीन मेडिकल सुविधा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी हालत पर नजर बनाए हुए है। गिलक्रिस्ट के मुताबिक, मार्टिन की पत्नी अमांडा और उनका परिवार इस

मुश्किल दौर से गुजर रहा है, लेकिन उन्हें दुनियाभर से मिल रही दुआओं और शुभकामनाओं से हौसला मिल रहा है।

मार्टिन ने 67 टेस्ट और 208 वनडे मैच खेले- डेमियन मार्टिन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 67 टेस्ट और 208 वनडे मैच खेलते हुए शानदार बल्लेबाजी की है। इसके अलावा वे चार टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले में भी खेले हैं।

14 छक्को और 9 चौके, सरफराज खान ने रोहित शर्मा का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरफराज खान को विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के साथ अपने व्हाइट-बॉल करियर को फिर से शुरू करने का एक नया मौका मिला है। यह भारतीय बल्लेबाज, जिसने आखिरी बार 1 नवंबर, 2024 को भारत के लिए खेला था, मुंबई के लिए शानदार फॉर्म में है। सरफराज ने गोवा के खिलाफ सिर्फ 75 गेंदों में शानदार 157 रन बनाए जिसमें 14 छक्को

और 9 चौके शामिल थे। उन्होंने सिर्फ 56 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और मुंबई के लिए सबसे तेज लिस्ट-ए शतक बनाने वाले खिलाड़ी बनकर रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया। रोहित ने पिछले हफ्ते ही सिक्किम के खिलाफ 62 गेंदों में शतक बनाकर यह रिकॉर्ड बनाया था और उस मैच में 94 गेंदों में 155 रन बनाए थे। सरफराज ने शानदार तरीके से रिकॉर्ड तोड़ा, जब कई नए खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। सरफराज का फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में उनका औसत 63.15 है, जिसमें उनके नाम 16 शतक और 16 अर्धशतक हैं। उन्हें 2015 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने साइन किया था, और सिर्फ 17 साल की उम्र में, वह उस समय आईपीएल में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। उनकी निडर और इनोवेटिव बैटिंग ने उन्हें जल्दी ही फैंस का पसंदीदा बना दिया, लेकिन बाद में उनके व्हाइट-बॉल करियर की रफ्तार धीमी हो गई। अब ऐसा लगता है कि वह दौर उनके पीछे छूट गया है। फिटनेस में सुधार के बाद सरफराज ने खुद को सभी फॉर्मेट में एक मजबूत दावेदार के रूप में बदल लिया है। उन्होंने हाल ही में मुंबई के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने 65.80 की औसत और 203.09 के शानदार स्ट्राइक रेट से 329 रन बनाए। सरफराज को हाल ही में चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल नीलामी खरीदा है।

काम्या ने रचा इतिहास

- साउथ पोल तक स्कीइंग करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बनीं

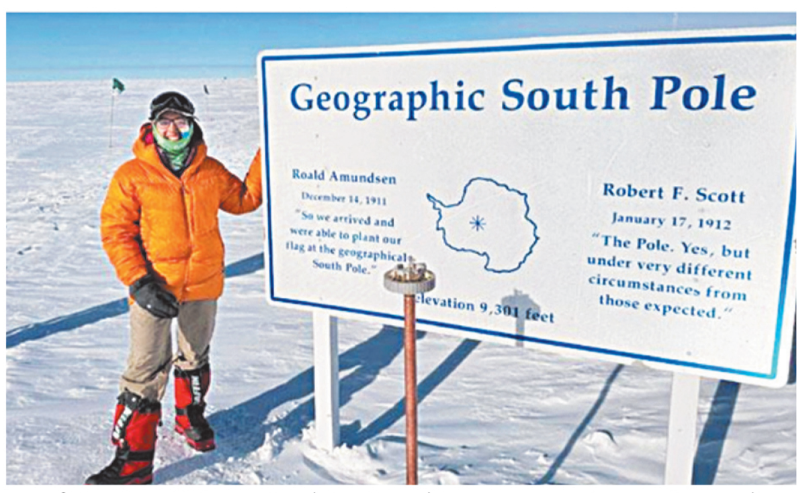

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय नौसेना के एक अधिकारी की 18 साल की बेटी काम्या कार्तिकेयन ने साउथ पोल तक स्कीइंग करके इतिहास रच दिया है। वह यह कारनामा करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बन गई हैं। काम्या ने 89 डिग्री दक्षिण से शुरू करके, अपने पूरे एक्सपेडिशन का सामान ले जा रही स्लेज को खींचते हुए, स्कीइंग करते हुए ज्योग्राफिक साउथ पोल तक पैदल लगभग 115 किमी का सफर तय किया। उन्होंने 27 दिसंबर को यह मुश्किल अभियान पूरा किया। इस शानदार उपलब्धि को हासिल करने के लिए उन्होंने अंटार्कटिका की मुश्किल परिस्थितियों का सामना किया, जिसमें तापमान माइनस 30 डिग्री सेल्सियस तक गिरना और तेज तूफानी हवाएं शामिल थीं। उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए भारतीय नौसेना ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'भारतीय नौसेना काम्या कार्तिकेयन, जो एक नौसेना अधिकारी की 18 वर्षीय बेटी और नेवी चिल्ड्रन्स स्कूल की पूर्व छात्रा हैं, को बधाई देती है, जिन्होंने साउथ पोल तक स्कीइंग करके सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बनकर एक बार फिर इतिहास रचा है।' नौसेना ने आगे कहा, 'काम्या माइनस 30 डिग्री सेल्सियस के कठोर मौसम और तूफानी हवाओं का सामना करते हुए अपने पूरे एक्सपेडिशन के सामान से भरी स्लेज को खींचते हुए लगभग 60 नॉटिकल मील (लगभग 115 किमी) पैदल चलकर 27 दिसंबर को साउथ पोल पर पहुंचीं।' 12वीं कक्षा की छात्रा काम्या, प्रतिष्ठित एक्सप्लोरर्स ग्रैंड स्लैम को पूरा करने का प्रयास कर रही हैं, जिसमें सभी सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ना और नॉर्थ और साउथ पोल दोनों जगह स्कीइंग करना शामिल है। इससे पहले उन्होंने सेवन समिट्स चैलेंज पूरा किया था और नेपाल की तरफ से माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बनीं।

दिल्ली की आद्या कात्याल ने जीता स्वर्ण पदक, जूनियर महिला ट्रैप स्पर्धा में बनीं विजेता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की आद्या कात्याल ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने जूनियर महिला ट्रैप स्पर्धा का खिताब जीता। दिल्ली की किशोरी आद्या कात्याल ने मंगलवार को कर्णी सिंह रेंज में राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में जूनियर महिला ट्रैप स्पर्धा का खिताब जीता। 15 साल की आद्या ने 42 हिट के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उत्तर प्रदेश की सबीरा हारिस 41 हिट के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। तमिलनाडु की तनिष्का सेंथिलकुमार ने 28 हिट के साथ कांस्य पदक जीता।

मोहम्मद शमी की होगी टीम इंडिया में वापसी

विश्व कप 2027 के प्लान से नहीं बाहर हुए 'लाला'!

नई दिल्ली, एजेंसी। मोहम्मद शमी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद से कोई भी इंटरनेशनल मुकाबला नहीं खेला है। उन्हें लंबे समय से वनडे और टेस्ट टीम में भी नहीं चुना जा रहा है, लेकिन टीम इंडिया में 'लाला' नाम से मशहूर शमी ने हिम्मत नहीं हारी और घरेलू क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। 35 वर्षीय गेंदबाज की आगामी न्यूजीलैंड वनडे सीरीज में वापसी हो सकती है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई सूत्र के हवाले से जानकारी मिली है कि शमी के घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। उनकी टीम इंडिया में वापसी अब ज्यादा दूर नहीं लग रही है। यानी अगर शमी वापस लौटे और उन पर नजर रखी जा रही है तो वह वनडे विश्व कप 2027 के प्लान का भी हिस्सा हैं। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में चुना जा सकता है। सूत्र से मिली जानकारी के मुताबिक, 'मोहम्मद शमी का नाम लगातार चर्चा में लाया जा रहा है। वह प्लानिंग से बाहर नहीं हैं, लेकिन सिर्फ एक चिंता का विषय है उनकी फिटनेस। उनके जैसी क्षमता वाला तेज गेंदबाज अहम है और विकेट निकालने में कारगर भी। यह कहना गलता होगा कि वह सेलेक्शन के रडार से बाहर हैं।

वह न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के लिए फिट लग रहे हैं। इसमें हैरानी नहीं होगी अगर उनका चयन होता है, यहां तक 2027 वर्ल्ड कप भी वह खेल सकते हैं। गौरतलब है कि हाल ही में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज में भारत के लिए जसप्रीत बुमराह नहीं खेले हैं। टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए उनका वर्कलोड मैनेज किया जा रहा है। इसी कारण भारत के पास मौजूदा समय में कोई भी सीनियर पेसर नहीं है। अगर शमी पर सेलेक्टर्स भरोसा दिखाते हैं तो वह न्यूजीलैंड सीरीज में पेस बैट्री का नेतृत्व करते नजर आ सकते हैं।

जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहे डेमियन मार्टिन

दिमागी बुखार ने कोमा में पहुंचाया

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डेमियन मार्टिन कोमा में पहुंच गए हैं। बॉक्सिंग डे पर मार्टिन बीमार हो गए थे। इसके बाद उन्हें क्वींसलेंड के अस्पताल में भर्ती करवाया गया। 54 साल के मार्टिन को मेनिनजाइटिस (दिमागी बुखार) हुआ है। उन्हें अभी इंड्यूस्ड कोमा में रखा गया है। मार्टिन के करीबी दोस्त और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने उनके बीमार होने की पुष्टि की। एडम गिलक्रिस्ट ने बताया कि डेमियन मार्टिन को सबसे बेहतरीन इलाज मिल रहा है। उन्होंने न्यूज कॉर्प से बात करते हुए कहा, 'उन्हें सबसे अच्छा इलाज मिल रहा है। अमांडा और उनके परिवार को पता है कि बहुत से लोग उनके लिए प्रार्थना कर रहे हैं और शुभकामनाएं भेज रहे हैं।' मार्टिन के एक और पूर्व साथी खिलाड़ी डैरेन लेहमन ने भी एक्स पर उनके और उनके परिवार के लिए प्रार्थनाएं भेजीं।

चेस वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन 9वीं बार ब्लिट्ज खिताब जीते

- अर्जुन एरिगैसी को ब्रॉन्ज, ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे भारतीय प्लेयर

नईदिल्ली (एजेंसी)। शतरंज के सुपरस्टार मैग्नस कार्लसन ने वर्ल्ड ब्लिट्ज चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। यह उनका रिकॉर्ड नौवां वर्ल्ड ब्लिट्ज खिताब है। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए

ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह उपलब्धि हासिल करने वाले विश्वनाथन आनंद के बाद भारत के दूसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं।

कार्लसन ने फाइनल में उज्बेकिस्तान के ग्रैंड मास्टर को हराया- दोहा में आयोजित टूर्नामेंट के फाइनल में उन्होंने उज्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को 2.5-1.5 से हराया।

विजय हजारे ट्रॉफी का चौथा राउंड

सरफराज ने 75 बॉल पर 157 रन बनाए

पडिक्कल का चार मैचों में तीसरा शतक

गोवा (एजेंसी)। विजय हजारे ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में चौथे राउंड के मुकाबले खेले जा रहे हैं। इस राउंड में 38 टीमें 19 मैचों में अलग-अलग मैदानों पर आमने-सामने हैं। ग्रुप-सी में मुंबई का सामना गोवा से हो रहा है। जयपुर में मुंबई ने गोवा को 445 रन का टारगेट दिया है। सरफराज खान ने 75 गेंद पर 157 रन की पारी खेली। इस पारी में 9 चौके और 14 चौके लगाए। हार्दिक तामोरे ने 53 और मुशीर खान ने 60 रन बनाए।

ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 46 रन का योगदान दिया। दर्शन ने 3 विकेट झटके। वी कौशिक और ललित यादव ने 2-2 विकेट लिए। कर्नाटक के देवदत्त पडिक्कल ने पुडुचेरी के खिलाफ शतक पूरा कर

लिया है। उनका इस सीजन चार मैचों में तीसरा शतक है। इससे पहले उन्होंने तीन मैचों में 22, 124 और 147 रन की पारियां खेली थीं। वहीं, ग्रुप-बी के एक मैच में बंगाल ने जम्मू-कश्मीर को 9 विकेट से हरा दिया। जम्मू-कश्मीर ने 64 रन का टारगेट दिया था। इसे बंगाल ने 10वें ओवर में ही हासिल कर लिया।

गायकवाड के शतक से महाराष्ट्र 331 तक पहुंचा- ऋतुराज गायकवाड ने एक और शानदार शतकीय पारी खेलते हुए महाराष्ट्र को मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया। उत्तराखंड के खिलाफ गायकवाड़ ने 113 गेंदों में 124 रन बनाए, जिससे महाराष्ट्र की टीम 24 ओवर में 4 विकेट पर 100 रन की मुश्किल स्थिति से उबरते हुए 331 रन का बड़ा स्कोर खड़ा करने में सफल रही। दिसंबर 2025 गायकवाड के लिए बेहद खास रहा है।

- **छत्तीसगढ़ ने सिक्किम को 356 रन बनाए-** जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में छत्तीसगढ़ ने सिक्किम को 356 रन का टारगेट दिया। टीम ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 3 विकेट पर 355 रन बनाए। विकल्प तिवारी ने 112 रनों की शतकीय पारी खेली। जबकि अमनदीप खरे ने नाबाद 83 और आयुष पांडे ने 86 रन बनाए। अभिषेक, एमडी सपतुला और अंकुर को एक-एक विकेट मिला।
- **मुंबइ ने गोवा को 445 रन का टारगेट दिया-** जयपुर में मुंबई की टीम ने गोवा को जीत के लिए 445 रन का टारगेट दिया है। जयपुरिया विद्यालय ग्राउंड में गोवा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। मुंबई की ओर से सरफराज खान ने 75 गेंद पर 157 रन की पारी खेली। इस पारी में 9 चौके और 14 चौके लगाए।

टी-20 वर्ल्ड कप 2025

मिस्ट्री स्पिनर को नहीं मिली जगह

राशिद खान टी20 विश्व कप में करेंगे अफगानिस्तान की कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान ने भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी 15-सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। स्टार लेग स्पिनर राशिद खान टूर्नामेंट में अफगानिस्तान की कप्तानी करेंगे। वहीं सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान को उनका डिप्टी बनाया गया है। 2024 में हुए टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान ने कमाल का प्रदर्शन किया था। टीम सेमीफाइनल तक पहुंचने में सफल रही थी। एक जनवरी को 41 साल के हो रहे मोहम्मद नबी भी टीम का हिस्सा हैं। टीम में गुलबदीन नायब और नवीन-उल-हक की वापसी हुई है, जिससे उनकी बॉलिंग लाइन-अप भी काफी मजबूत हुई है। नवीन ने 2025 में अफगानिस्तान के लिए कोई मैच नहीं खेला। चोट की वजह से वह एशिया कप नहीं खेल पाए थे।

दोनों ने पिछले टी20 विश्व कप में टीम के लिए कमाल का प्रदर्शन किया था। फारूकी वर्ल्ड कप टीम में शामिल अन्य तेज गेंदबाज हैं। फारूकी टी20 विश्व कप 2024 में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा

विकेट लेने वाले बॉलर थे।

- **अल्लाह गजनफर रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल-** मिस्ट्री स्पिनर अल्लाह गजनफर टीम में जगह बनाने में सफल नहीं हुए हैं। उन्हें तीन रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल किया गया है। अल्लाह के अलावा इजाज अहमदजई और जिया उर रहमान शरीफी भी रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल किए गए हैं। टी20 विश्व कप से पहले अफगानिस्तान की टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज भी खेलेगी। उस सीरीज में भी 19 से 22 जनवरी के बीच शारजाह में होने वाले तीन टी20 मैच में यही खिलाड़ी उतरेंगे। अफगानिस्तान को टी20 विश्व कप में ग्रुप डी में रखा गया है। इसमें न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, यूएई और कनाडा की टीम भी है। दो मजबूत टीम होने की वजह से अफगानिस्तान की रहा आसान नहीं होगी। 8 फरवरी को अपने पहले मैच में अफगानिस्तान का सामना चेन्नई में न्यूजीलैंड से होगा। इसके बाद 11 फरवरी को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में साउथ अफ्रीका से भिड़ना है। टी20 विश्व कप 2026 के लिए अफगानिस्तान की टीमः राशिद खान (कप्तान), इब्राहिम जादरान (उपकप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), मोहम्मद इशाक (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, शाहिदुल्लाह कमाल, अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नायब, मोहम्मद नबी, नूर अहमद, मुजीब उर रहमान, नवीन उल हक, फजल हक फारूकी और अब्दुल्ला अहमदजई।

अमित शाह का बंगाल दौरा: ममता सरकार पर हमला

-भाजपा कोलकाता बेल्ट में 22 सीट जीतने का लक्ष्य

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में 2026 विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोला है। कोलकाता में आयोजित एक अहम बैठक में उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि तृणमूल कांग्रेस सरकार ने जिस नारे के सहारे सत्ता हासिल की थी — 'मां, माटी, मानुष' — आज वही तीनों बंगाल में सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं।

"मां, माटी, मानुष" आज असुरक्षित-

अमित शाह ने कहा कि ममता सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है। बंगाल में अपराध बढ़ रहे हैं, महिलाएं खुद को असहज और असुरक्षित महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जमीन पर माफियाओं का कब्जा है, गरीबों और किसानों की जमीन छीनी जा रही है और हालात ऐसे बना दिए गए हैं कि आम लोग रोज़गार और बेहतर जीवन की तलाश में राज्य छोड़ने को मजबूर हैं। शाह ने आरोप लगाया कि बंगाल में अवैध घुसपैठ एक गंभीर समस्या बन चुकी है। घुसपैठिए न सिर्फ राज्य की अर्थव्यवस्था पर बोझ हैं, बल्कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा और बंगाल की सांस्कृतिक पहचान के लिए भी बड़ा खतरा पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ममता सरकार जानबूझकर इस मुद्दे पर आंखें मूंदे हुए है, क्योंकि उसे वोट बैंक की राजनीति से ऊपर कुछ दिखाई नहीं देता।

भ्रष्टाचार का आरोप-

गृह मंत्री ने अपने भाषण में ममता सरकार पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बंगाल में एक के बाद एक घोटाले सामने आए हैं, जिन्होंने पूरे सिस्टम को खोखला कर दिया है। शाह ने शिक्षक भर्ती घोटाला, एसएससी घोटाला, नगर निगम भर्ती घोटाला, कोयला घोटाला, राशन घोटाला, मनरेगा घोटाला और प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़े घोटालों का जिक्र करते हुए कहा कि इन मामलों में करोड़ों रुपये की लूट हुई है। उनका कहना था कि इन घोटालों का खामियाजा गरीब, बेरोजगार और आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। युवाओं के सपनों के साथ खिलवाड़ किया गया और योग्य लोगों को नौकरियों से वंचित रखा गया।

भाजपा कार्यकर्ताओं का बलिदान-

अमित शाह ने बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं पर हुए हमलों का मुद्दा भी जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2016 से 2025 के बीच भाजपा के 300 से अधिक कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई। अपने 42 वर्षों के सार्वजनिक जीवन का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि उन्होंने इतना बड़ा बलिदान और समर्पण कहीं और नहीं देखा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भावुक अपील करते हुए कहा, "अब समय आ गया है कि इन बलिदानों का फल दिया जाए। दिल पर लिख लो, इस बार भाजपा की सरकार बनेगी।"

कोलकाता बेल्ट पर खास फोकस-

अमित शाह ने कोलकाता और आसपास के इलाकों में भाजपा के लक्ष्य को भी साफ किया। उन्होंने कहा कि कोलकाता और उससे सटे क्षेत्रों की 28 विधानसभा सीटों में से कम से कम 22 सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया गया है। इनमें जादवपुर, दमदम, जोरासांको, श्यामपुकुर जैसी प्रमुख सीटें शामिल हैं। गौरतलब है कि 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को कोलकाता क्षेत्र में एक भी सीट नहीं मिली थी। इसी को ध्यान में रखते हुए शाह का फोकस इस पूरे "कोलकाता बेल्ट" पर है, जिसमें कोलकाता, उत्तर और दक्षिण 24 परगना, हुगली नदी के पार हावड़ा जिला भी शामिल है। इन इलाकों में करीब 140 विधानसभा सीटें हैं, जहां भाजपा को अब तक कमजोर माना जाता रहा है। अपने लगभग एक घंटे के भाषण में शाह ने भवानीपुर सीट का भी जिक्र किया, जहां से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2021 का उपचुनाव जीता था। उन्होंने संकेत दिए कि भाजपा अब शहरी और अर्ध-शहरी इलाकों में संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है।

दो दिन का बंगाल दौरा-

अमित शाह 30 और 31 दिसंबर को पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर थे। दौरे के पहले दिन उन्होंने कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ममता सरकार पर घुसपैठ रोकने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर बंगाल में भाजपा की सरकार बनती है तो राज्य की सीमाएं इतनी सुरक्षित होंगी कि "परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा।"

मणिपुर–मिजोरम के 5,800 ब्नेई मेनाशे यहूदियों की इजराइल 'घर वापसी' प्रक्रिया शुरू

चुराचंदपुर। पूर्वोत्तर भारत के मणिपुर और मिजोरम में रहने वाले यहूदी समुदाय ब्नेई मेनाशे के करीब 5,800 लोगों की इजराइल वापसी की प्रक्रिया अब औपचारिक रूप से शुरू होने जा रही है। इजराइल की कैबिनेट ने इसके लिए लगभग 250 करोड़ रुपये की विशेष योजना को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत समुदाय को चरणबद्ध तरीके से इजराइल ले जाया जाएगा। वर्ष 2026 तक 1,200 लोगों को इजराइल भेजने का लक्ष्य है, जबकि 2030 तक पूरी कम्युनिटी की 'घर वापसी' पूरी करने की योजना बनाई गई है। ब्नेई मेनाशे समुदाय खुद को बाइबिल में वर्णित 'दस खोई हुई यहूदी जनजातियों' में से एक, मेनाशे का वंशज मानता है। उनकी मान्यता है कि करीब 2,700 साल पहले, जब असिरियन साम्राज्य ने इस्राइल के उत्तरी राज्य पर हमला किया था, तब मेनाशे जनजाति को निर्वासित कर दिया गया। इसके बाद यह समुदाय धीरे-धीरे पूर्व की ओर बढ़ता गया, म्यांमार, चीन और अन्य इलाकों से होता हुआ अंततः भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्रों में आकर बस गया। मणिपुर और मिजोरम की पहाड़ियों में बसे इस समुदाय ने सदियों तक अपनी अलग पहचान बनाए रखी। समय के साथ उन्होंने स्थानीय भाषाएं अपनाईं, लेकिन कई यहूदी धार्मिक परंपराएं, भोजन की आदतें और रीति-रिवाज आज भी उनके जीवन में दिखाई देते हैं। बीते कुछ दशकों में कई धार्मिक विद्वानों और रब्बियों ने उनके दावों की जांच की, जिसके बाद इजराइल ने उन्हें यहूदी समुदाय का हिस्सा मानते हुए 'अलियाह' (इजराइल वापसी) की अनुमति दी। हाल के वर्षों में इजराइल सरकार ने ब्नेई मेनाशे की वापसी की प्रक्रिया को और तेज कर दिया है। इसके पीछे एक बड़ा कारण मणिपुर में जारी जातीय हिंसा भी माना जा रहा है। हिंसा, असुरक्षा और अनिश्चित भविष्य के बीच इस समुदाय के लिए इजराइल जाना अब केवल धार्मिक आस्था का सवाल नहीं, बल्कि सुरक्षा और स्थिर जीवन की उम्मीद भी बन गया है। इजराइल पहुंचने के बाद इन लोगों को आवास, भाषा प्रशिक्षण (हिब्रू), रोजगार और सामाजिक समावेशन जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। हालांकि, नई ज़मीन और नई संस्कृति में ढलना आसान नहीं होगा। भाषा, जलवायु और जीवनशैली का अंतर उनके लिए एक बड़ी चुनौती रहेगा, लेकिन इसके बावजूद समुदाय में अपने "ऐतिहासिक वतन" लौटने को लेकर गहरा जज़्बा है। कुल मिलाकर, ब्नेई मेनाशे की यह वापसी केवल एक समुदाय के स्थानांतरण की कहानी नहीं है, बल्कि यह हजारों साल पुराने इतिहास, आस्था और आधुनिक राजनीति के संगम की मिसाल भी है। 2030 तक जब पूरी कम्युनिटी इजराइल में बस जाएगी, तब यह दुनिया के लिए यह दिखाने वाला एक अनोखा उदाहरण होगा कि इतिहास कितनी दूर तक इंसानों की तक़दीर को आकार देता है।

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड: कोहरा, बारिश और कोल्ड वेव का अलर्ट

नई दिल्ली। उत्तर भारत में मौसम ने एक बार फिर कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। घना कोहरा, कोल्ड वेव और बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली समेत पहाड़ी राज्यों में ठंड, कोहरा और बारिश-बर्फबारी का सिलसिला जारी है। उत्तर प्रदेश के 35 जिलों में गुरुवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। दृश्यता बेहद कम होने के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हुआ है। प्रदेश के कई हिस्सों में कोल्ड वेव का असर भी देखा जा रहा है। मेरठ, गाजियाबाद समेत करीब 14 जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है। बुधवार को कानपुर प्रदेश का सबसे ठंडा शहर रहा, जहां न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। बिहार में पूरे राज्य के लिए कोल्ड डे और घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। सुबह और रात के समय तापमान में भारी गिरावट देखी जा रही है। ठंड और कोहरे के कारण स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और कामकाजी लोगों को काफी परेशानी हो रही है। कई जगह ट्रेनें देरी से चल रही हैं। राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम बदला हुआ है। जयपुर और चित्तौड़गढ़ में गुरुवार सुबह तेज बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने राज्य के 8 से अधिक जिलों में बारिश की चेतावनी जारी की है। बारिश के चलते तापमान में गिरावट आई है, जिससे ठंड और बढ़ गई है। किसानों के लिए यह बारिश कुछ हद तक फायदेमंद मानी जा रही है, लेकिन ठंड ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हरियाणा के कई शहरों में भी बारिश हुई है। बढ़ती ठंड को देखते हुए प्रदेश सरकार ने सभी स्कूलों में आज से विंटर वेकेशन घोषित कर दिया है। बारिश और ठंडी हवाओं के कारण न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। पंजाब के ज्यादातर जिलों में घना कोहरा छाया रहा। कुछ इलाकों में बूंदाबांदी भी हुई है और कोल्ड वेव का असर साफ दिख रहा है। मौसम विभाग ने पूरे राज्य के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। गुरदासपुर में सबसे कम तापमान 5.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। कोहरे के कारण हाईवे पर वाहन रेंगते नजर आए। दिल्ली में भी ठंड ने पिछले कई वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 31 दिसंबर को राजधानी में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले 6 सालों में सबसे कम रहा। साल 2019 में इसी दिन तापमान 9.4 डिग्री था। आज दिल्ली में बारिश का अलर्ट भी जारी किया गया है, जिससे ठंड और बढ़ने की संभावना है। वहीं पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में लगातार बर्फबारी हो रही है। ऊंचाई वाले इलाकों में सड़कें बंद हैं और जनजीवन प्रभावित है।

स्विट्जरलैंड के क्रांस मोंटाना रिसॉर्ट में न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दौरान जोरदार विस्फोट

बर्न (एजेंसी)। स्विट्जरलैंड के क्रांस मोंटाना रिसॉर्ट में न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दौरान जोरदार विस्फोट हुआ, जिसमें कई लोगों के मारे जाने और कई अन्य के घायल होने की खबर है। यह घटना गुरुवार तड़के स्थानीय समयानुसार लगभग 1:30 बजे हुई। पुलिस ने इसकी पुष्टि की है और राहत एवं बचाव कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया है। विस्फोट उस समय हुआ जब रिसॉर्ट के प्रसिद्ध कॉन्स्टेलेशन बार में न्यू ईयर ईव का जश्न चल रहा था। बताया जा रहा है कि बार में मौजूद लोगों की संख्या काफी थी, इसलिए इस हादसे में जानमाल का नुकसान अधिक हुआ। स्थानीय पुलिस और इमरजेंसी टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायल लोगों को तुरंत अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में घायलों का इलाज चल रहा है और गंभीर रूप से घायल लोगों को विशेष देखभाल में रखा गया है। स्विट्जरलैंड की पुलिस ने कहा है कि फिलहाल विस्फोट की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। प्रारंभिक जांच में कई पहलुओं पर ध्यान दिया जा रहा है। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र को तुरंत सील कर दिया है और नागरिकों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है। इसके साथ ही, रिसॉर्ट में मौजूद अन्य पर्यटकों और स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतर्कता बढ़ा दी गई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, क्रांस मोंटाना शहर एक प्रमुख अल्पाइन स्की रिसॉर्ट है, जहां हर साल सर्दियों में बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। न्यू ईयर के मौके पर यहां खासकर रात में बड़े समारोह और पार्टियों का आयोजन होता है। इस बार का हादसा इसी जश्न के दौरान हुआ। हालांकि, पुलिस ने कहा है कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विस्फोट एक दुर्घटना थी या किसी जानबूझकर की गई कार्रवाई का परिणाम। घटनास्थल से साक्ष्य इकट्ठा किए जा रहे हैं और आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। जांच में विस्फोट की तकनीकी वजहों के साथ-साथ सुरक्षा मानकों की भी समीक्षा की जा रही है। राहत कार्य और बचाव अभियान अभी भी जारी है।

"100 mg से अधिक डोज वाली निमेसुलाइड दवाओं पर सरकार ने लगाया बैन"

-बुखार और दर्द में राहत तो देती है, लेकिन ज्यादा डोज से लिवर को गंभीर खतरा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दर्द और बुखार में इस्तेमाल होने वाली दवा निमेसुलाइड (Nimesulide) की 100 मिलीग्राम से अधिक डोज वाली सभी ओरल दवाओं के निर्माण और बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब निमेसुलाइड का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है और इसके अधिक सेवन से लिवर (यकृत) संबंधी गंभीर समस्याओं की आशंका जताई जा रही थी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, निमेसुलाइड एक नॉन-स्टेरॉइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी दवा (NSAID) है, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से बुखार, जोड़ों और मांसपेशियों के दर्द को कम करने के लिए किया जाता है। यह दवा बाजार में अलग-अलग ब्रांड नामों से उपलब्ध है और आम तौर पर मरीजों को दर्द और सूजन से राहत देने के लिए दी जाती है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि निमेसुलाइड की अधिक मात्रा का सेवन यकृत पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। इसका लंबे समय तक या उच्च डोज में उपयोग करना लीवर डिजीज, हेपेटाइटिस या लिवर फेलियर जैसी गंभीर स्थितियों को जन्म दे सकता है। इसी कारण स्वास्थ्य मंत्रालय ने 100 मिलीग्राम से अधिक डोज वाली दवाओं पर रोक लगाने का निर्णय लिया है। यह प्रतिबंध केवल उच्च डोज वाली दवाओं पर लागू होगा। 100 मिलीग्राम या उससे कम डोज वाली निमेसुलाइड दवाएं उपलब्ध रहेंगी, ताकि मरीजों को जरूरत के अनुसार इलाज मिल सके। मंत्रालय ने दवा कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे अधिक डोज वाली दवाओं का उत्पादन तुरंत बंद करें और जो दवाइयां पहले से बाजार में हैं उन्हें वापस मंगवाने की प्रक्रिया शुरू करें। विशेषज्ञों का कहना है कि आम लोग अक्सर दर्द या बुखार में तुरंत राहत पाने के लिए दवाओं का अधिक सेवन कर लेते हैं। इस प्रवृत्ति को रोकना जरूरी है, क्योंकि दवा की अत्यधिक मात्रा स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। निमेसुलाइड का अधिक उपयोग विशेषकर बच्चों, बुजुर्गों और लीवर संबंधी पहले से रोगियों के लिए और अधिक जोखिम पैदा करता है। सरकारी आंकड़ों और मेडिकल स्टडीज के अनुसार, भारत में कई केस ऐसे सामने आए हैं, जहाँ अधिक मात्रा में निमेसुलाइड लेने के कारण लोगों को लीवर संबंधी गंभीर जटिलताएं हुईं। इसलिए यह कदम रोगियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में अहम माना जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने जनता को सलाह दी है कि किसी भी दर्द या बुखार की दवा लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें। दवा का निर्धारित डोज ही लें और बिना चिकित्सकीय मार्गदर्शन के उच्च मात्रा का सेवन बिल्कुल न करें।

भारतवंशी जोहरान ममदानी बने न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम मेयर, कुरान पर ली शपथ

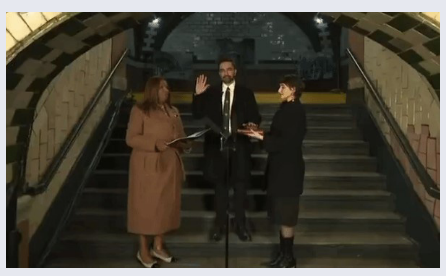

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। न्यूयॉर्क सिटी के इतिहास में एक नई मिसाल कायम हुई है। भारतीय मूल के जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम मेयर बने हैं। गुरुवार को उन्होंने कुरान पर हाथ रखकर पद की शपथ ली, जो इस शहर के इतिहास में पहली बार हुआ है। इससे पहले न्यूयॉर्क सिटी के मेयर आमतौर पर बाइबिल पर हाथ रखकर शपथ लेते रहे हैं। हालांकि संविधान के तहत शपथ लेने के लिए किसी भी धार्मिक ग्रंथ का इस्तेमाल अनिवार्य नहीं है। जोहरान ममदानी 34 साल के हैं और वे डेमोक्रेट पार्टी से हैं। वे न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम, पहले दक्षिण एशियाई और पहले अफ्रीका में जन्मे मेयर बन गए हैं। ममदानी ने न्यूयॉर्क सिटी हॉल के नीचे स्थित एक बंद पड़े सबवे स्टेशन में शपथ ग्रहण की। यह समारोह निजी रूप से आयोजित किया गया था, जिसमें उनके परिवार के सदस्य शामिल हुए। शपथ ग्रहण के समय ममदानी ने दो कुरानों पर हाथ रखा। पहली कुरान उनके दादा की थी और दूसरी एक छोटी पॉकेट-साइज कुरान थी, जिसे जेब में रखा जा सकता है। कहा जा रहा है कि यह छोटी कुरान 18वीं सदी के अंत या 19वीं सदी की है। इस कुरान को न्यूयॉर्क पब्लिक लाइब्रेरी के शॉम्बर्ग सेंटर फॉर रिसर्च इन ब्लैक कल्चर के संग्रह का हिस्सा माना जाता है। इसके बाद दोपहर में ममदानी का एक सार्वजनिक शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर न्यूयॉर्क की जनता और विभिन्न समुदायों के लोग शामिल हुए। ममदानी के मेयर बनने को शहर की विविध संस्कृति और धार्मिक सहिष्णुता की नई पहचान के रूप में देखा जा रहा है। जोहरान ममदानी की यह उपलब्धि न केवल भारतीय और मुस्लिम समुदाय के लिए गर्व का क्षण है।

जयशंकर–अयाज सादिक की मुलाकात: भारत–पाकिस्तान कूटनीति में अहम कदम

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में आयोजित खालिदा जिया के फ्यूनरल के मौके पर भारत–पाकिस्तान संबंधों में कूटनीतिक तौर पर अहम घटना हुई। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पाकिस्तान की संसद के स्पीकर अयाज सादिक से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने हाथ भी मिलाया। यह मुलाकात इसलिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि मई में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला मौका था जब दोनों देशों के बड़े नेता आमने-सामने आए और शिष्टाचार के अनुसार हाथ मिला। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण माहौल था, और उस समय दोनों देशों के बीच बातचीत या औपचारिक संपर्क सीमित रहे थे। इस मुलाकात से यह संकेत मिलता है कि दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संवाद और शांति के अवसर फिर से तलाशे जा रहे हैं। यह कदम न केवल राजनीतिक दृष्टि से बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की शिष्टाचार भरी मुलाकातें भविष्य में तनाव कम करने और संवाद बढ़ाने में सहायक हो सकती हैं। भारत–पाकिस्तान के बीच शिष्टाचार संबंधी यह बदलाव पिछले कुछ समय की घटनाओं के संदर्भ में और भी अहम है। इससे पहले एशिया कप क्रिकेट मैच के दौरान भारतीय टीम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार किया था, जिससे खेल और कूटनीति दोनों क्षेत्रों में विवाद पैदा हुआ था। इसके अलावा, क्रिकेट सीरीज जीतने के बाद भी टीम इंडिया ने ACC चीफ मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से मना कर दिया था। मोहसिन नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के प्रमुख और पाकिस्तान सरकार में मंत्री हैं।

दुनियाभर में ग्रैंड जश्न के साथ 2026 का आग़ाज़:

-रोशनी, आतिशबाजी और उल्लास से गूंजा नया साल

नई दिल्ली। पूरी दुनिया ने उल्लास, उमंग और उम्मीदों के साथ नए साल 2026 का स्वागत किया। अलग-अलग देशों में अलग-अलग परंपराओं, रंग-बिरंगी आतिशबाजी, लेजर लाइट शो और सांस्कृतिक आयोजनों के साथ न्यू ईयर सेलिब्रेशन देखने को मिला। जैसे ही घड़ी ने 12 बजाए, लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर शुभकामनाएं दीं और बीते साल को विदा कर नए साल की खुशियों में डूब गए।

सबसे पहले न्यूजीलैंड ने किया 2026 का स्वागत-

दुनिया में सबसे पहले न्यूजीलैंड ने नए साल में कदम रखा। ऑकलैंड के प्रसिद्ध स्काई टावर पर भव्य आतिशबाजी का आयोजन हुआ, जिसने आसमान को रंगीन रोशनी से भर दिया। हजारों की संख्या में लोग सड़कों और वाटरफ्रंट पर जमा हुए और लाइव म्यूजिक के साथ जश्न मनाया। यह नज़ारा पूरी दुनिया के लिए नए साल की पहली झलक बना।

एशियाई देशों में परंपरा और तकनीक का संगम-

जापान में नए साल का स्वागत शांति और परंपरा के साथ किया गया। टोक्यो समेत कई शहरों में मंदिरों की घंटियां बजीं, जिन्हें सौभाग्य और नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। चीन में आधुनिकता और तकनीक का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। कई बड़े शहरों में लेजर लाइट शो और डिजिटल प्रोजेक्शन के जरिए नए साल का जश्न मनाया गया। आसमान में चमकती रोशनियों ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सिंगापुर में मरीना बे के आसपास आतिशबाजी और म्यूजिकल शो का आयोजन हुआ, जहां स्थानीय लोग और पर्यटक देर रात तक जश्न में शामिल रहे।

भारत में उत्साह और विविधता से भरा जश्न-

भारत में भी 2026 का आग़ाज़ पूरे उत्साह के साथ हुआ। राजधानी दिल्ली में इंडिया गेट पर बड़ी संख्या में लोग जमा हुए और काउंटडाउन के साथ नए साल का स्वागत किया। युवाओं में खासा जोश देखने को मिला। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के बीच लोगों ने नए साल का जश्न मनाया। ठंड के बावजूद पर्यटक और स्थानीय लोग सड़कों पर निकले और बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच सेलिब्रेशन किया। मुंबई, बेंगलुरु, गोवा और कोलकाता जैसे शहरों में भी पार्टियां, म्यूजिक इवेंट्स और धार्मिक स्थलों पर विशेष प्रार्थनाएं हुईं।

मध्य पूर्व और यूरोप में भव्य आयोजन-

संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में दुबई एक बार फिर आकर्षण का केंद्र रहा। बुर्ज खलीफा और आसपास के इलाकों में भव्य आतिशबाजी और लाइट शो ने नया रिकॉर्ड बनाया। हजारों लोग इस ऐतिहासिक पल के गवाह बने।

इंग्लैंड में लंदन के टेम्स नदी के किनारे शानदार आतिशबाजी हुई। बिग बेन की घंटियों के साथ नए साल की शुरुआत ने लोगों के दिलों में नई ऊर्जा भर दी। ऑस्ट्रेलिया में सिडनी हार्बर पर होने वाली आतिशबाजी को दुनिया के सबसे भव्य आयोजनों में गिना जाता है। इस बार भी लाखों लोगों ने लाइव और टीवी के जरिए इस नज़ारे का आनंद लिया।

अलग-अलग टाइम जोन, एक जैसा जश्न-

दुनिया में अलग-अलग टाइम जोन होने के कारण भारत से पहले करीब 29 देशों में नए साल 2026 की शुरुआत हो चुकी थी।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886